वर्ष : 17 ❖ अंक : 162 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 17 जनवरी 2023

2023 बेहद महत्वपूर्ण, 9 राज्यों में चुनाव लड़ना और जीतना है : नड्डा 3

भारत ने इंग्लैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला 8

योजनाओं का समय पर कार्यान्वयन करें सुनिश्चित : सीएम गोले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 जनवरी । राज्यस्तरीय जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की पहली बैठक आज मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की अध्यक्षता में सम्मान भवन में संपन्न हुई। बैठक का आयोजन ग्रामीण विकास विभाग, सिक्किम सरकार द्वारा किया गया था।

बैठक की शुरुआत मुख्यमंत्री तथा दिशा के अध्यक्ष, आरडीडी विभाग के मंत्री सह दिशा के उपाध्यक्ष सोनम लामा, विधायकों, संसद सदस्य (लोकसभा), मुख्य सचिव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत के साथ हुई। आरडीडी विभाग के आयुक्त सह सचिव डी. आनंदन ने अपने स्वागत भाषण में अवगत कराया कि दिशा समिति का उद्देश्य विशेष रूप से केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के तहत सार्वजनिक धन के अनुकूलन के संदर्भ में व्यय की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है ।

इसके बाद राज्यस्तरीय दिशा के तहत योजनाओं पर वर्ष 2022-2023 की योजनाओं, प्रगति और उपलब्धियों पर संबंधित विभागों के प्रमुखों द्वारा विस्तृत प्रस्तुति दी गई। राज्य सरकार के कुल सोलह विभागों ने कृषि, पशुपालन, वाणिज्य और उद्योग, शिक्षा, वन और पर्यावरण, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, भू-राजस्व, बिजली, ग्रामीण विकास, सड़कें और पुल, कौशल और उद्यमिता विकास, शहरी विकास, महिला एवं बाल कल्याण, एनएसएपी (राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम) और जल संसाधन ने समिति के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री तथा दिशा के अध्यक्ष ने सदस्यों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित किए, जिसमें प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्ष ने अपने संबोधन में संबंधित विभागों द्वारा व्यवस्थित निगरानी और हैंड-होल्डिंग के माध्यम से सभी योजनाओं के समय पर कार्यान्वयन का आह्वान किया। उन्होंने कार्यान्वयन विभागों और विधायकों के बीच बेहतर समन्वय का आह्वान किया, ताकि वे बड़े पैमाने पर लोगों को लाभान्वित करने वाली योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हों।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री गोले ने यह भी कहा कि यह बहुत गर्व की बात है कि सिक्किम मार्च के महीने में भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत दो बैठकों की मेजबानी करेगा। उन्होंने सभी विभागों और हितधारकों से एक साथ आने और कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। राज्य स्तरीय दिशा बैठक आरडीडी विशेष सचिव श्रीमती सारिका प्रधान ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

पवन चामलिंग की सरकार ने सिक्किम को 17000 करोड़ के कर्ज में डुबाया था : विकास बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 जनवरी । एसडीएफ प्रमुख तथा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग द्वारा राज्य की मौजूदा सरकार और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के खिलाफ दिये गये बयानों पर पलटवार करते हुए सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने उन्हें आड़े हाथों लिया है। इसे चामलिंग की अपनी डूबती राजनीतिक नाव को बचाने की कोशिश करार देते हुए पार्टी ने कहा है कि सरकार के विकास कार्यों का विरोध कर पवन चामलिंग स्वयं जनविरोधिता का कार्य कर रहे हैं। साथ ही एसकेएम ने कहा कि उन्हें मौजूदा सरकार पर सवाल उठाने से पहले स्वयं का चेहरा देखना चाहिए।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के राजनीतिक सचिव एवं एसकेएम के प्रचार-प्रसार संयोजक विकास बस्नेत ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि चामलिंग जनता के पक्ष से अधिक मुख्यमंत्री द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों का विरोध करके सिक्किम में स्वयं को जनविरोधी साबित किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के 100 दिन की कार्य योजना के विरोध में घर-घर जाने वाले चामलिंग को पहले 2019 में अपने सत्ता से हटने के वक्त राज्य को 17,000 करोड़ के कर्ज में डूबाये रखने के बारे में सोचना चाहिए। वह यह क्यों भूल गए कि उन्होंने पच्चीस साल तक लोगों को केवल झूठे आश्वासन दिए और वादे किए?

विकास बस्नेत ने आगे कहा कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार ने अभी केवल चार साल ही पूरे किये हैं। लेकिन इतने कम समय में भी इस सरकार ने जनता के लिए कई ऐसे काम किये हैं, जिस पर लोग खुशी जाहिर करते हुए धन्यवाद दे रहे हैं। लेकिन सत्ता के भूखे पवन चामलिंग जनता की सेवा करने की बजाय समय बर्बाद करने और जनता को भ्रमित करने में लगे हैं। उन्होंने कहा, जब चामलिंग सत्ता में थे तब 2015 से पहले उन्होंने सिक्किम की स्वास्थ्य परिसेवा को क्यूबा जैसा बनाने, राज्य को स्विट्जरलैंड-सिंगापुर एवं अमेरिका जैसा विकसित बनाने, चीन जैसी अर्थव्यवस्था तैयार करने समेत ढेरों वादों का ढोल पीटा था। लेकिन क्या वे पूरे हुए हैं? ऐसे में चामलिंग को इनका जवाब देना चाहिए।

विकास बस्नेत के अनुसार, 2014 के चुनाव प्रचार में चामलिंग ने कहा था कि अगर एसडीएफ पार्टी की जीत होती है, तो वह हर सिक्किमी को करोड़पति बना देंगे। लेकिन 2014 का चुनाव जीतने के बाद उन्होंने केवल अपने परिवार, रिश्तेदारों और पार्टी के लोगों को ही करोड़पति बनाया है। दरअसल, सत्ता में रहते हुए करोड़ों की महंगी गाड़ियों में चलने वाले, सिक्किम से नेपाल तक कैसीनो का साम्राज्य खड़ा करने वाले और अपने बेटे-बेटियों को सरकारी ठेके सौंपने वाले चामलिंग वर्तमान मुख्यमंत्री के तमाम जनसेवा के कार्यों को देखकर अचम्भित हैं। इससे पता चलता है कि उनकी राजनीति केवल स्वयं तक ही केंद्रित है और उन्हें आमलोगों की तनिक भी चिंता नहीं है।

एसकेएम प्रवक्ता ने आगे कहा कि अपने मुख्यमंत्रित्व काल में तो चामलिंग लोग से नहीं मिले, लेकिन अब जब मुख्यमंत्री तमांग ऐसा कर रहे हैं तो वे उन्हें मूर्ख बता रहे हैं। असल में बिना डिग्री के खुद को डॉक्टर बताने वाले पवन चामलिंग राज्यवासियों के सामने स्वयं को ही मूर्ख और अल्प बुद्धि वाला व्यक्ति साबित कर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, अब जब पवन चामलिंग के पास सत्ता नहीं है तो वह मुख्यमंत्री चिकित्सा राहत कोष से मिलने वाली सेवाओं और अन्य सहायता को लेकर चिंता दिखाते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन सत्ता में रहते हुए पच्चीस वर्षों तक उन्होंने मुख्यमंत्री कोष का दुरुपयोग ही किया है। ऐसे में एसकेएम पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री को आमलोगों के हित में किये जा रहे काम में बाधा न डालने का सुझाव दिया है।

नेहरू युवा केंद्र का प्रशिक्षण शिविर शुरू

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 16 जनवरी । केंद्रीय युवा व खेल मंत्रालय के अधीन गेजिंग नेहरू युवा केंद्र ने पिछले दिनों यहां जन स्वास्थ्य व अभियांत्रिकी अध्यक्ष हरिनारायण सुबेदी ने तीन दिवसीय 'युवा नेतृत्व एवं सामुदायिक विकास' विषय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। इसके उद्घाटन अवसर पर गेजिंग नगर पंचायत पार्षद रिंजिग भूटिया, एमईओ गोपाल शर्मा एवं जिला युवा समन्वयक देव नेपाल के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

जानकारी के अनुसार उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व विकास के माध्यम से उन्हें एक जिम्मेदार एवं नेतृत्व लेने में सक्षम नागरिक बनाने के साथ ही सामुदायिक विकास और सामाजिक विकास गतिविधियों में योगदान करने लायक बनाना था। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्य अतिथि अध्यक्ष हरिनारायण सुबेदी ने लोगों एवं समुदायों के समग्र विकास हेतु इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सार्थक बताते हुए सभी प्रतिभागियों को इसमें शामिल होने पर बधाई दी।

प्रशिक्षण में युवाओं को कृषि, स्वास्थ्य, सामाजिक सक्रियता, करियर काउंसिलिंग, मोटिवेशनल स्पीकिंग आदि के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न पृष्ठभूमि वाले रेसोर्स पर्सनों को आमंत्रित किया गया। इसके पहले दिन डॉ. डीके गुरूंग और संजय राई मौजूद थे।

सोरेंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पाइप बैंड सदस्यों से सीएम ने की मुलाकाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 जनवरी । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोरेंग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पाइप बैंड के सदस्यों के साथ मुलाकात की। बैंड का नेतृत्व प्राचार्य डॉ. पीबी छेत्री ने किया।

पाइप बैंड गणतंत्र दिवस समारोह 2023 के हिस्से के रूप में 21 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में प्रदर्शन करेगा।

मुख्यमंत्री ने टीम को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वे इसी तरह के उत्साह के साथ प्रदर्शन करते रहेंगे।

राज्य शिक्षा विभाग ने प्लानिंग सेक्शन ने बजट पूर्व परामर्श कार्यशाला का किया आयोजन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 16 जनवरी । राज्य शिक्षा विभाग के प्लानिंग सेक्शन द्वारा गत 11 से 13 जनवरी तक स्थानीय एससीईआरटी कॉन्फ्रेंस हॉल में अपनी तरह के पहले बजट पूर्व परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव आर तेलंग की पहल एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में आगामी नए वित्त वर्ष के लिए बजट तैयार करने, विभागीय अधिकारियों के बीच विचारों के आदान-प्रदान और एक व्यापक सामूहिक समीक्षा हुई। इसके साथ ही इसमें बजट के विजन, मिशन, लक्ष्यों और विभागीय रुचि एवं चिंताओं पर भी चर्चा की गई।

योजना अनुभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला में शिक्षा सचिव और विभाग के अन्य सभी निदेशकों के साथ ही उच्च व तकनीकी शिक्षा, योजना, माध्यमिक शिक्षा, समग्र व प्राथमिक शिक्षा; एससीईआरटी, अभियांत्रिकी, प्रशासन एवं कई अन्य विभागों के अलावा सभी जिलों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

कार्यशाला का उद्देश्य सभी वर्गों को एक-दूसरे के कार्यों से परिचित करना, राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु आत्मनिरीक्षण करते हुए विचारों का आदान-प्रदान करना था। इसमें कई विचार और मूल्य सामने आये। उनमें उच्च शिक्षा पर आगे विचार-विमर्श, भरे हुए दिमाग की बजाय अच्छे दिमाग तैयार करने, छात्रों को शिक्षा की कीमत समझाने के अलावा सरकार से व्यावसायिक या कौशल आधारित शिक्षा सुनिश्चित करने, जिलों में एनईपी पर जागरूकता कार्यक्रम, प्राथमिक शिक्षा का आधार मजबूत करने, जनशक्ति प्रबंधन की समीक्षा, शिक्षक प्रतिनियुक्ति नीति, कुशल आईटी उपयोग, एनईपी के तहत स्कूलों की मैपिंग, राज्य शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) की तुलना में इसमें प्रदर्शन का पुनर्गठन, छात्रवृत्ति योजनाओं में दोहराव, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) की जटिलताएं एवं अन्य शामिल रहे।

इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने एक-दूसरे के बीच सहयोग, एकीकरण और समझ की आवश्यकता पर जोर देते हुए शिक्षा विभाग के उद्देश्य और लक्ष्यों पूर्ति हेतु आपसी एकजुटता पर बात की। वहीं कार्यशाला में उभरे विचारों एवं मुद्दों प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि सार्थक सुझावों और विचारों को सरकार के सामने रखा जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को स्कूल के प्रधानाचार्यों से मिलकर भविष्य में सुधार हेतु स्कूल विकास योजनाओं को देखने का सुझाव भी दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमि मुद्दों को भी समीक्षा बैठकों का हिस्सा होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने एनईपी 2020 प्रणाली के साथ मध्य और माध्यमिक स्कूली शिक्षा के पुनर्वर्गीकरण की आवश्यकता भी बतायी और इसके लिए एमओई के नेतृत्व करने की प्रतीक्षा की बात कही। वहीं उन्होंने सभी निदेशकों को एक साथ बैठकर कार्रवाई योग्य बिंदुओं पर काम करने का निर्देश दिया।

इसके अलावा एसीएस ने शिक्षक प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने और शिक्षक प्रशिक्षकों की भूमिका पर पुनर्विचार करने की ओर संकेत भी दिया। साथ ही उन्होंने 'इंटेंशन', 'इंफ्रास्ट्रक्चर' और 'इंवॉल्वमेंट' के महत्व पर भी जोर देते हुए इस कार्यशाला से सकारात्मक ठोस परिणाम की उम्मीद जतायी।

अम्बा जीपीयू को मक्का गांव बनाने के लिए समन्वय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 16 जनवरी । जिले के अम्बा जीपीयू के किसानों के साथ आज ग्राम प्रशासन केंद्र में पाकिम एडीसी अनूपा तामलिंग और एडीसी विकास रॉबिन पी सेवा की अध्यक्षता में समन्वय बैठक आयोजित की गयी। यह बैठक मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के अम्बा जीपीयू को 'मक्का गांव' के रूप में बनाने को लेकर केंद्रित था।

इसकी शुरुआत में रॉबिन सेवा ने राष्ट्र निर्माण में किसानों की भूमिका और योगदान पर जोर देते हुए विभिन्न विभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों और हर पहलू में समन्वय विस्तार को स्वीकार करते हुए उसकी प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से अम्बा जीपीयू को मक्का गांव में परिवर्तित करने की सकारात्मक भावना विकसित करने का आग्रह करते हुए आगामी दिनों में गांव को अनुकरणीय बनाने की बात कही।

वहीं पाकिम एडीसी अनूपा तामलिंग ने जनता से एकजुट होकर काम करने का आग्रह करते हुए मक्का गांव के सपने को वास्तविकता बनाने में अम्बा की जनता से सहयोग की उम्मीद की। साथ ही उन्होंने इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सम्बंधित विभाग द्वारा सहयोग का आश्वासन भी दिया।

उन्होंने जनता से लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दूरदर्शिता विकसित करने का आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि परियोजना के संबंध में एक विस्तृत योजना तैयार की जाएगी और इसका दस्तावेजीकरण बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को दर्शाएगा जो परियोजना के अंत में होगा। बैठक में अम्बा जिला पंचायत, रेनॉक तारपिन जिला पंचायत, वार्ड (शेष पृष्ठ ०३ पर)

नशीले पदार्थ की रोकथाम के लिए जिलास्तरीय समिति की बैठक आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 16 जनवरी । नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं इसके खिलाफ लड़ाई में बेहतर समन्वय हेतु नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर के अधीन जिलास्तरीय समिति की एक बैठक आज जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में आयोजित की गई।

जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रिनजिंग छोपेल राई की उपस्थिति में हुई इस बैठक में गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार नशीले पदार्थों के खिलाफ समन्वय हेतु 2016 में एनसीओआरडी तंत्र के गठन की जानकारी दी गयी। वहीं यह भी बताया गया कि 29 जुलाई, 2019 को जिला स्तर तक चार स्तरीय योजना में एनसीओआरडी प्रणाली को पुनर्गठित किया गया है।

बैठक के दौरान नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने, इसकी लत, अवैध तस्करी और गांवों में गांजा की अवैध खेती से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

इसके अलावा, जिले के सभी वार्डों में स्कूल-कॉलेजों में नशीली दवाओं के सेवन के खतरों और प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में पाकिम डीएफओ (टी), जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मुख्य शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अलावा एसएसबी कमांडेंट, रंगपो एसडीएम, पारखा एडीओ और जिला दवा निरीक्षक ने भाग लिया।

माघे मेला में विभन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 16 जनवरी । मकर संक्रांति के अवसर पर जोरथांग खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय जोरथांग माघे संक्रांति मेला में 'वोकल फॉर लोकल' और 'हाम्रो संस्कृति हाम्रो परम्परा' थीम पर आधारित आज दूसरा दिन बड़े जोश और उत्साह के साथ शुरू हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पर्यटन व नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूचना व जनसंपर्क विभागीय मंत्री बेदू सिंह पंथ ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरुआत की।

कार्यक्रम में राज्य के शिक्षा, खेल व युवा मामलों के मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा, क्षेत्रीय विधायक सुनीता गजमेर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग के अलावा जोरथांग एसडीएम श्रीमती सलोनी प्रधान एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस दौरान पारम्परिक नृत्य प्रदर्शन, कबड्डी, म्यूजिकल चेयर, रस्साकशी सहित कई अन्य गतिविधियां आयोजित की गयीं। जोरेथांग थाना पुलिस और ट्रक ड्राइवर एसोसिएशन के हुई रस्साकशी में ट्रक ड्राइवर एसोसिएशन को विजेता घोषित किया गया।

इसी प्रकार अंतर समष्टि फुटबॉल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए सियारी विधानसभा क्षेत्र और नामथांग रातेपानी विधानसभा क्षेत्र के बीच खेले गये मैच में सियारी विधानसभा क्षेत्र ने 2-0 गोल से मैच जीतकर तीसरा स्थान हासिल किया।

वैवाहिक बलात्कार मामले के अपराधीकरण पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 15 फरवरी तक मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने की मांग वाली कई याचिकाओं पर सोमवार को केंद्र सरकार से 15 फरवरी तक जवाब मांगा।

शीर्ष अदालत मार्च में इस मामले की सुनवाई करने पर सहमत हुई। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से 15 फरवरी, 2023 को या उससे पहले मामले में जवाबी हलफनामा दायर करने को कहा। मेहता ने कहा कि इस मामले में कानूनी निहितार्थों के अलावा सामाजिक निहितार्थ भी होंगे।

शीर्ष अदालत ने अलग-अलग उच्च न्यायालयों को फैसला लेने देने के बजाय मामले को खुद अपने हाथ में लेने का फैसला किया। मामले को मार्च में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। पीठ ने सभी पक्षों को 3 मार्च तक अपनी दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया। मेहता ने पीठ को सूचित किया कि सरकार ने इस मामले पर राज्य सरकारों के विचार आमंत्रित किए हैं।

पिछले साल मई में वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण पर विभाजित विचार व्यक्त करने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के बाद सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की गई थी। साथ ही पिछले साल जुलाई में शीर्ष अदालत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी थी। मई में शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ पति की याचिका पर नोटिस जारी किया था। हालांकि उसने तब उच्च न्यायालय के फैसले और मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। वैवाहिक बलात्कार के अपराधीकरण की मांग को लेकर शीर्ष अदालत में याचिकाएं भी दायर की गई हैं। मामले में पिछले साल 11 मई को न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति सी. हरि शंकर की उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने अलग-अलग राय व्यक्त की। न्यायमूर्ति राजीव शकधर ने यह कहते हुए विवादास्पद कानून को रद्द करने का समर्थन किया कि पति को वैवाहिक बलात्कार के अपराध से छूट देना असंवैधानिक है, जिससे न्यायमूर्ति हरि शंकर सहमत नहीं थे। न्यायमूर्ति शकधर ने कहा, सहमति के बिना पत्नी के साथ संभोग करना अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, इसलिए इसे रद्द कर दिया गया है।

हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार से पूछा- सूचना आयोग फंक्शनल क्यों नहीं?

रांची, 16 जनवरी (एजेन्सी)। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि क्या राज्य में सूचना आयोग फंक्शनल नहीं है? आयोग के अध्यक्ष का पद का खाली क्यों है और इस पद पर नियुक्ति कब तक होगी? कोर्ट ने आगामी तीन हफ्ते के भीतर राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन में शामिल हुए अभ्यर्थियों को आंसर शीट देखने नहीं देने और अभ्यर्थियों को उनके कॉपी की छाया प्रति उपलब्ध नहीं कराए जाने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह निर्देश दिया।

प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि सातवीं से दसवीं जेपीएससी के अभ्यर्थियों ने आरटीआई के माध्यम से अपनी कॉपी को देखने और उसकी छाया प्रति देने की मांग जेपीएससी से की थी। प्रथम अपील में जेपीएससी ने अभ्यर्थियों को उनकी कॉपी दिखाने से मना कर दिया गया। उन्हें बताया गया कि आयोग द्वारा निर्णय के बाद ही उन्हें कॉपी दिखाई जा सकेगी।

प्रार्थी ने यह भी बताया कि कॉपी की छाया प्रति उपलब्ध नहीं कराया जाना जेपीएससी 15 जनवरी 2015 के कार्यालय आदेश के विपरीत है। राज्य में राज्य सूचना आयोग अभी तक फंक्शनल नहीं है, इस कारण अभ्यर्थी इस मामले में द्वितीय अपील दायर करने में असमर्थ हैं। यह बात संज्ञान में आने पर कोर्ट ने राज्य सरकार से सूचना आयोग के बारे में जवाब मांगा है।

बता दें कि इस मामले को लेकर सोनू कुमार रंजन व अन्य की ओर से हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की गई है। इसमें कहा गया है कि सातवीं जेपीएससी की मेरिट लिस्ट वर्ष मई 2022 में जारी हो गया है और सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति भी हो गई। लेकिन अभ्यर्थियों को आंसर शीट, अपनी कॉपी की छाया प्रति देखने का अवसर नहीं मिल पाया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सीजेआई की नियुक्ति पर पुनर्विचार याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और विकास महाजन की दिल्ली हाई कोर्ट की खंडपीठ ने सोमवार को भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में न्यायमूर्ति धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ की नियुक्ति को चुनौती देने वाली एक पुनर्विचार याचिका को खारिज कर दिया।

संजीव कुमार तिवारी की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि वर्तमान समीक्षा याचिका पर पुनर्विचार करने का कोई कारण नहीं है और याचिकाकर्ता (तिवारी) कोई खामियां नहीं बता पाए हैं।

पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, यह समीक्षा के दायरे में नहीं आता है। समीक्षा तभी होती है जब कोई खामी होती है। आपकी याचिका या आपके तर्कों में किसी भी कमी की ओर इशारा नहीं किया गया है।

इससे पहले, उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था।

13 जनवरी को सीजे की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले से खुद को अलग कर लिया था।

याचिकाकर्ता के आरोप अपमानजनक होने के कारण केंद्र के वकील ने अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया था कि तिवारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

इसी तरह के एक तर्क को पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस आधार पर खारिज कर दिया था कि यह गलत और बिना योग्यता के था।

याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया था कि जस्टिस चंद्रचूड़ का शपथ लेना योग्य नहीं हैं, क्योंकि उनका बेटा बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने एक मामले में पेश हो रहा है और फिर वह उसी मामले में एक आदेश पारित कर रहे हैं।

इस याचिका को तत्कालीन सीजेआई यू.यू. ललित की पीठ ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनके दावों में वैधता की कमी थी।

सीजेआई ललित के बाद जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ को 9 नवंबर, 2022 को 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई गई थी।

सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 तक काम करेंगे।

11 नवंबर, 1959 को जन्मे न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को 13 मई, 2016 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे पहले, उन्होंने 31 अक्टूबर, 2013 से उच्चतम न्यायालय में अपनी नियुक्ति तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था।

त्रिपुरा सरकार-एनटीपीसी आरईएल के बीच समझौता, हरित ऊर्जा परियोजनाओं का विकास प्रमुख उद्देश्य

अगरतला, 16 जनवरी (एजेन्सी)। त्रिपुरा सरकार और एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल) ने पूर्वोत्तर राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं (रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स) के विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और एनटीपीसी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

बयान के मुताबिक, एनटीपीसी आरईएल ने त्रिपुरा में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए आज त्रिपुरा सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य त्रिपुरा में बड़े आकार की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को विकसित करना है जो राज्य को अपनी स्वच्छ ऊर्जा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में मदद करेगा।

एमओयू के तहत राज्य में चल और अचल नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं विकसित की जाएंगी।

इस कार्यक्रम में त्रिपुरा के बिजली सचिव बृजेश पांडे, एनटीपीसी लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्यिक) सीके मंडल, एनटीपीसी के निदेशक (वित्त) जे श्रीनिवासन और एनटीपीसी आरईएल के सीईओ मोहित भार्गव मौजूद रहे। त्रिपुरा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (टीआरईडीए) त्रिपुरा में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी है।

उन्नाव रेप कांड मामले में दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को मिली जमानत, दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में 2017 में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार करने के जुर्म में उम्र कैद की सजा काट रहे, भारतीय जनता पार्टी के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर को उनकी बेटी की शादी में शामिल होने के लिए सोमवार को अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता और न्यायमूर्ति पूनम ए बंबा की पीठ ने 27 जनवरी से 10 फरवरी तक के लिए सेंगर की सजा को निलंबित कर दिया। साथ ही पीठ ने सेंगर को अपनी रिहाई की अवधि के दौरान दैनिक आधार पर संबंधित थाना अधिकारी को रिपोर्ट करने और एक एक लाख रुपये की दो जमानत देने को कहा।

सेंगर की ओर से उच्च न्यायालय में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन और पी के दुबे ने अदालत को सूचित किया कि शादी की रस्में और समारोह गोरखपुर और लखनऊ में आयोजित किए जाएंगे और परिवार का एकमात्र पुरुष सदस्य होने के नाते सेंगर को ही व्यवस्था करनी होगी। सेंगर ने पहले अदालत को सूचित किया था कि शादी आठ फरवरी को होगी।

सीबीआई के वकील ने कहा कि एजेंसी ने एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है और यह पाया गया है कि शादी समारोहों के लिए दो हॉल बुक किए गए हैं।

उन्नाव बलात्कार मामले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली सेंगर की अपील उच्च न्यायालय में लंबित है। उन्होंने निचली अदालत के 16 दिसंबर, 2019 के फैसले को रद्द करने की मांग की है, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था। सेंगर ने 20 दिसंबर, 2019 के उस आदेश को रद्द करने की भी मांग की है, जिसमें उन्हें ताउम्र कारावास की सजा सुनाई गई थी। निचली अदालत ने सेंगर को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (2) सहित विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया था। यह धारा एक लोक सेवक द्वारा बलात्कार के अपराध से संबंधित है, जो अपने आधिकारिक पद का लाभ उठाते हुए महिला से बलात्कार करता है।''

अदालत ने सेंगर को उम्र कैद की सजा सुनाते हुए कहा था कि दोषी पूरा जीवन जेल में बिताएगा। साथ ही सेंगर पर 25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेंगर ने 2017 में लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया था। तब वह नाबालिग थी। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर मामले की सुनवाई उन्नाव से दिल्ली स्थानांतरित की गई। पांच अगस्त, 2019 को शुरू होने के बाद सुनवाई दिन-प्रतिदिन के आधार पर की गई।

शीर्ष अदालत ने एक अगस्त, 2019 को भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को लिखे गए बलात्कार पीड़िता के पत्र का संज्ञान लेते हुए, उन्नाव बलात्कार की घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की एक अदालत से दिल्ली की अदालत में स्थानांतरित कर दिया था और दैनिक आधार पर इसकी सुनवाई करने तथा इसे 45 दिनों में पूरा करने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने जोशीमठ संकट मामले में हस्तक्षेप से किया इनकार

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जोशीमठ के संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। एक वकील ने कहा कि लोग मर रहे हैं और पुनर्वास की सख्त जरूरत है।

इस पर प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने टिप्पणी की, 'कृपया ध्वनि बाइट के लिए कार्यवाही का सोशल मीडिया के लिए उपयोग न करें।'

जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने याचिकाकर्ता स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से अपनी याचिका उत्तराखंड हाईकोर्ट में ले जाने को कहा।

पीठ ने वकील से कहा कि इसके अलावा, अगर उन्हें कुछ और कहना है तो उन्हें हाईकोर्ट जाने की स्वतंत्रता है। पीठ ने कहा, 'एक बार जब हम इस पर सुनवाई शुरू कर देंगे, तो हम हाईकोर्ट को इस मामले की सुनवाई के अवसर से वंचित कर देंगे।'

याचिका में कहा गया है कि बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के कारण धंसाव हुआ है और प्रभावित लोगों को तत्काल वित्तीय सहायता और मुआवजे की मांग की गई है।

इस बात पर जोर देते हुए कि वह हाईकोर्ट को मामले की सुनवाई से वंचित नहीं कर सकता, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से या तो एक नई याचिका दायर करने या वहां की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के लिए कहा।

उत्तराखंड सरकार ने दलील दी कि इसके अलावा एक और याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में दायर की गई है और इस बारे में केंद्र व राज्य सरकार ने उनकी सभी प्रार्थनाओं पर अमल किया है।

पीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता हाईकोर्ट के समक्ष लंबित कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकता है या एक नई याचिका दायर कर सकता है।

पीठ ने कहा, 'हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह उचित डिस्पैच के साथ दायर याचिका पर विचार करे।'

याचिका में तर्क दिया गया है कि मानव जीवन और उनके पारिस्थितिकी तंत्र की कीमत पर किसी भी विकास की जरूरत नहीं है और यदि ऐसा कुछ भी होता है, तो यह राज्य सरकार और केंद्र सरकार का कर्तव्य है कि वह इसे तुरंत रोके। याचिका में जोशीमठ के निवासियों को सक्रिय रूप से समर्थन देने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को निर्देश देने की भी मांग की गई है।

भाजपा महिला मोर्चा ने रंगोली के माध्यम से जी20 का लोगो बनाकर पीएम मोदी को दी बधाई

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 16 जनवरी। भाजपा महिला मोर्चा मंडल सिंगरौली द्वारा एक आयोजन कर रंगोली के माध्यम से जी20 का लोगो बनाकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पूरे देशवासियों को हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती सीमा जायसवाल रही। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल सिंगरौली अध्यक्ष भूपेंद्र गर्ग, जिला मंत्री श्रीमती कलावती यादव रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष नम्रता सिंह ने किया।

सभी अतिथियों का स्वागत महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष नम्रता सिंह ने स्वागत भाषण के माध्यम से किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्रीमती सीमा जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश का जी20 का नेतृत्व करना भारत के लिए गौरव का विषय है। जिस प्रकार 1893 में

विवेकानंद जी जिनका नाम नरेंद्र नाथ भी था उन्होंने अपना नाम विश्व पटल पर रोशन किया उसी प्रकार हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी विश्व पटल पर हमारे देश का नाम रोशन कर रहे हैं। और देश विश्व गुरु की ओर अग्रसर हो रहा है यह पल देश के लिए ऐतिहासिक पल है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री गर्ग ने कहां की हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगन मेहनत सर्वोपरि राष्ट्रहित किए गए कार्य का प्रतिफल है जो आज जी20 का अध्यक्षता करने का अवसर भारत को मिला। इस अवसर पर मंडल महामंत्री आलोक यादव, मंडल महामंत्री श्रीमती किरण सागर, मंडल मंत्री श्रीमती पिंकी सिंह, मंडल सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती शिप्रा दत्ता, मंडल मंत्री श्रीमती करुणा विश्वकर्मा, भाजपा महिला मोर्चा जिला कार्यालय मंत्री श्रीमती आशा बासु, भाजपा मंडल सिंगरौली की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सभी का आभार व्यक्त महिला मोर्चा मंडल महामंत्री श्रीमती जुनु पात्रों ने किया।

भूकंप, भू-स्खलन की संभावना वाले क्षेत्रों की पहचान करें : सीएम सुक्खू

शिमला, 16 जनवरी (एजेन्सी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को अधिकारियों को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और किन्नौर जिलों में भूकंप की अधिक संभावना वाले क्षेत्रों की पहचान करने और भूस्खलन और ढहने वाले क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश में सड़क हादसों के प्रमुख कारण रहे 'ब्लैक स्पॉट' की पहचान करने के भी निर्देश दिए।

उत्तराखंड के जोशीमठ में भूस्खलन की हालिया घटना का संज्ञान लेते हुए, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदाओं पर रोक और आपदा प्रबंधन प्रतिक्रिया क्षमता प्रणाली में सुधार के लिए अग्रिम चेतावनी प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया। राज्य सचिवालय में उच्च स्तरीय आपदा प्रबंधन बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने संस्थागत और व्यक्तिगत स्तर पर तैयारियों के अलावा प्रतिक्रिया और जागरूकता प्रणाली को मजबूत करने के उपायों को अपनाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुई विभिन्न आपदाओं के कारण हुए जान-माल के नुकसान की भी जांच की। उन्हें सिक्किंग जोन और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी गई और ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए समय-समय पर अपनाई जाने वाली तैयारियों के उपायों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फंड के माध्यम से स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड को दी जा रही सहायता को बढ़ाने और स्टेट डिजास्टर रिलीफ मैनुअल में आवश्यक संशोधन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नई और आधुनिक तकनीक से ग्लेशियरों की मैपिंग करने के निर्देश दिए और भूकंप की दृष्टि से अधिक संवेदनशील क्षेत्रों का अध्ययन कर रिपोर्ट देने को कहा. मुख्यमंत्री ने साप के काटने के मामलों के लिए उचित चिकित्सीय व्यवस्था करने और यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा कि सूची में सर्पदंश (साप का खतरा) की अधिक संभावना वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाए। प्रमुख सचिव ओंकार शर्मा ने भूकंप संभावित क्षेत्रों और राज्य आपदा प्रबंधन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जोशीमठ के कारणों और उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यों पर प्रस्तुति भी दी गई।

सिर्फ 10 महीने में दीं 25,886 सरकारी नौकरियां : भगवंत मान

चंडीगढ़, 16 जनवरी (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने अपने कार्यकाल के महज 10 महीनों में 25,886 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 271 विशेषज्ञ डॉक्टरों, 90 लैब टेक्निशियन और 17 सहायकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद उन्होंने कहा कि यह स्थल कई ऐसे आयोजनों का गवाह रहा है, जिसमें युवाओं को सरकारी विभागों में नौकरी मिली है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद से उनकी सरकार ने विभिन्न विभागों में 25,886 युवाओं को नौकरी के पत्र सौंपे हैं। उन्होंने कहा कि केवल 10 महीनों में इतनी बड़ी संख्या में नौकरियां युवाओं की भलाई सुनिश्चित करने और उनके लिए रोजगार के नए रास्ते खोलने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य को दुनियाभर में स्वास्थ्य देखभाल के केंद्र के रूप में विकसित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि पंजाब में चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पांच साल में 16 नए मेडिकल कॉलेज बनाने का फैसला किया है, जिससे राज्य में मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या 25 हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह एक तरफ छात्रों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा प्रदान करेगा और दूसरी तरफ लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी क्लीनिकों ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में क्रांति ला दी है और इन क्लीनिकों में रोजाना आने वाले 95 प्रतिशत से अधिक मरीज ठीक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त, 2022 से इन क्लीनिकों के शुरू होने के बाद से उन्होंने 10 लाख से अधिक रोगियों को देखा है।

मान ने कहा कि ये क्लीनिक

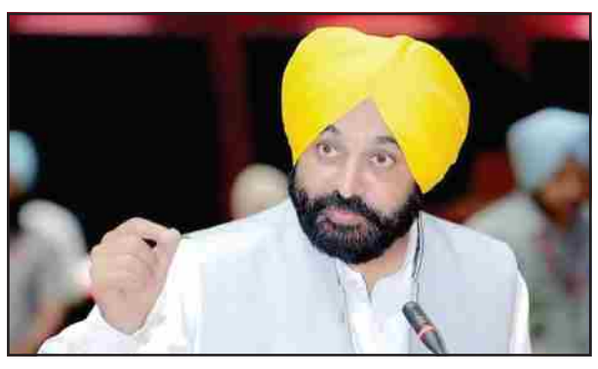

पंजाब में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के पुनरुद्धार में आधारशिला के रूप में काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए याद किया कि कैसे उनकी बड़ी सर्जरी एक डॉक्टर द्वारा की गई थी, जब वह पांच साल के थे। उन्होंने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से रोगियों, विशेष रूप से समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को उपचार देने का आह्वान किया। मान ने कहा कि यही मानवता की सच्ची सेवा है, जिसे मिशनरी उत्साह के साथ करने की जरूरत है।

दिल्ली में 24 को होगा मेयर का चुनाव, एलजी ने दी मंजूरी

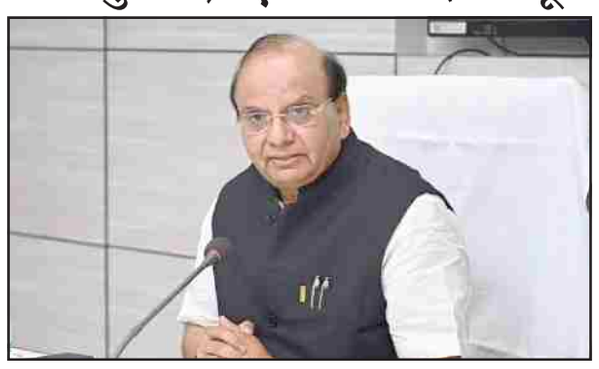

राजेश अलख

नई दिल्ली, 16 जनवरी । दिल्ली में मेयर का चुनाव 24 जनवरी होगी। इसके लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंजरी दे दी है। इससे पहले 6 जनवरी को हुई नगर निगम की बैठक में हंगामे के चलते मेयर का चुनाव नहीं हो सका।

उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने नवनिर्वाचित पार्षदों के शपथ ग्रहण और मेयर व डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए 24 जनवरी को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की अगली बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है।

राज निवास के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इससे पूर्व, एमसीडी सदन की पहली बैठक नवनिर्वाचित पार्षदों के हंगामे के बाद मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव के बिना ही स्थगित कर दी गई थी।

अधिकारी ने कहा, 'उपराज्यपाल ने पार्षदों को शपथ दिलाए जाने, मेयर, डिप्टी मेयर एवं स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव के लिए 24 जनवरी को दिल्ली नगर निगम की अगली बैठक बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।'

अधिकारियों के अनुसार यह बैठक डॉ. एस.पी. मुखर्जी सिविक सेंटर के अरुणा आसफ अली सभागार में सुबह 11 बजे शुरु होगी।

नवनिर्वाचित एमसीडी की पहली बैठक छह जनवरी को हुई थी और मेयर एवं डिप्टी मेयर का चुनाव किए बिना ही स्थगित कर दी गई क्योंकि आम आदमी पार्टी (आप) पार्षदों ने सदन के 10 एल्डरमेन (मनोनीत) सदस्यों को शपथ दिलाए जाने को लेकर विरोध जताया था।

सदन में हुई झड़प के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आप ने एक-दूसरे पर अपने पार्षदों पर हमला करने का आरोप लगाया था।

कोरोना काल में जमा स्कूल फीस का 15 फीसदी होगा माफ, इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश

प्रयागराज, 16 जनवरी (एजेन्सी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सोमवार को एक बडे. फैसले में कहा है कि कोरोना काल में बच्चों से ली गई स्कूल फीस का 15 फीसदी माफ होगा। कोर्ट का यह फैसला कोरोना के बाद से आर्थिक तंगी से जूझ रहे अभिभावकों के लिए बड़ी राहत की होगी। हाईकोर्ट का यह आदेश राज्य के सभी स्कूलों पर लागू होगा। उन्होंने साल 2020-21 में जो फीस ली होगी उसमें से 15 पर्सेंट माफ करना होगा। कोर्ट ने माफ की गई इस फीस को अगले सेशन में एडजस्ट करने या फीस वापस लौटाने के लिए स्कूलों को दो महीने का समय दिया है।

यह फैसला चीफ जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस जेजे मुनीर की बेंच ने दिया। यह आदेश बच्चों के अभिभावकों की याचिका पर दिया गया। इस याचिका पर 6 जनवरी को सुनवाई हुई। बच्चों के अभिभावकों ने दलील दी थी कि साल 2020-21 में कोरोना की वजह से लॉकडाउन लगा था। इस दौरान स्कूल बंद रहे और बच्चों की केवल ऑनलाइन पढ़ाई ही हुई है। चूंकि बच्चे स्कूल गए नहीं इसलिए उन्हें स्कूलों में मिलने वाली सुविधाएं भी नहीं मिलीं। पर इसके बाद भी स्कूल हर महीने पूरी फीस ही वसूलते रहे।

बच्चों के माता-पिता ने कहा था कि स्कूलों ने केवल ऑन लाइन पढ़ाई ही करवाई है कोई दूसरी सुविधा नहीं दी। इसलिए ट्यूशन फीस के अलावा एक भी रुपया लेना उचित नहीं है। याचिका दायर करने वालों ने इंडियन स्कूल जोधपुर बनाम राजस्थान सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। इसी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना सुविधाएं दिए फीस लेना मुनाफाखोरी और शिक्षा के व्यावसायीकरण करने जैसा है।

अब सवाल यह उठता है तो यह फीस कैसे माफ होगी या अभिभावकों को कैसे वापस मिलेगी। इसके लिए हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि साल 2020-21 में स्कूलों ने जितनी फीस ली होगी उसका 15 पर्सेंट अगले सेशन में एडजस्ट किया जाएगा। यहां यह भी सवाल उठता है कि अगर बच्चे ने स्कूल बदल दिया हो तो उस स्थिति में क्या होगा। इसके जवाब में हाईकोर्ट ने कहा है कि जो बच्चे स्कूल छोड़कर जा चुके हैं उनको 2020-21 में वसूली गई फीस का 15 पर्सेंट वापस करना होगा। कोर्ट ने माफ की गई इस फीस को अगले सेशन में एडजस्ट करने या फीस वापस लौटाने के लिए स्कूलों को दो महीने का समय दिया है।

अम्बा जीपीयू को .....

पंचायत सदस्य, संयुक्त बागवानी निदेशक, संयुक्त सहकारिता निबंधक, एसीएफ वन विभाग, सिस्को बैंक प्रबंधक, एई आरडीडी एवं कृषि अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान आमलोगों और अधिकारियों के बीच संवाद सत्र भी हुआ, जिसमें लोगों ने मक्का की खेती के अलावा पूंजीगत साधन, पौधों की खरीद, तकनीकी प्रशिक्षण, और विपणन मुद्दों से संबंधित अपने प्रश्न रखे। इसके अलावा, किसानों ने क्षेत्र में बंजर भूमि और घटती कृषि योग्य भूमि की समस्याओं को भी रेखांकित किया।

वहीं बैठक में विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से किसानों को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया और किसानों को कृषि सम्बंधी समस्याओं से संबंधित प्राथमिक बाधाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर मक्का की खेती के वैकल्पिक लाभों से जनता को अवगत कराया।

चौसा में किसानों से मिले राकेश टिकैत, बोले- आंदोलन तो अब शुरु हुआ है

बक्सर, 16 जनवरी (नि.सं.)। बिहार के बक्सर में पिछले सप्ताह पुलिस द्वारा आम लोगों पर रात के वक्त हमले के बाद भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत सोमवार को चौसा पहुंचे। चौसा में राकेश टिकैट ने किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जाना।

आरोप है कि 11 जनवरी की रात स्थानीय थाना पुलिस ने किसानों पर बेरहमी से हमला किया था। इसके बाद जमकर बवाल हुआ था। पीड़ित किसानों ने सड़क पर उतरकर जमकर हंगामा और आगजनी की थी। इस दौरान कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया था।

गौरतलब है कि थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहित की है। किसान अपनी जमीन के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि राज्य सरकार उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं दे रही है। इधर, बक्सर पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैट ने कहा कि चौसा के किसानों की जायज मांग है।

मौजूदा बाजार दर पर मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2012-13 की दर से मुआवजा दे रही है। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 2023 में हो रही है तो किसान 2012-13 की दर से मुआवजा क्यों लेंगे? किसानों को नई दर से मुआवजा दिया जाए।

राकेश टिकैट ने आगे कहा कि यह केवल बिहार का नहीं बल्कि पूरे देश का मुद्दा है। विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र की मंशा स्पष्ट नहीं है। हमें अपने आंदोलन को तेज करना होगा। वे किसानों की जमीनों को हड़पना चाहते हैं। बक्सर में जो कुछ भी हुआ अपराध है। बक्सर बहुत जल्द किसान पंचायत बुलाया जाएगा। बक्सर से लेकर दिल्ली तक हमलोगों

को लड़ाई लड़नी होगी।

बता दें कि चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव की 250 एकड़ जमीन राज्य और केंद्र सरकार ने 11980 मेगावॉट थर्मल पावर, पानी की पाइपलाइन और रेलवे कॉरिडोर परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की थी। अधिग्रहण के कारण गांव में 300 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। कुछ दलित परिवारों के घर भी गिर गए हैं और वे अस्थायी झोपड़ियों में रह रहे हैं।

विपक्षी दलों ने रिमोट वोटिंग मशीन की जरूरत पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। विपक्षी दलों ने रिमोट वोटिंग मशीन (आरवीएम) के इस्तेमाल की आवश्यकता पर सोमवार को सवाल उठाया और निर्वाचन आयोग से चुनाव प्रक्रिया के प्रति शहरी वर्ग की उदासीनता के मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आरवीएम की कार्य प्रणाली के प्रदर्शन के लिए निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, कोई भी विपक्षी दल रिमोट वोटिंग मशीन के प्रदर्शन को नहीं देखना चाहता। पहले ऐसी मशीन की आवश्यकता का मुद्दा सुलझाया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि उन्हें लगता है कि जब तक आम सहमति नहीं बन जाती तब तक आरवीएम का कोई प्रदर्शन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल प्रदर्शन देखने को तैयार नहीं है।

सिंह ने कहा, आरवीएम का विचार स्वीकार्य नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि आयोग को देश के विशिष्ट नागरिकों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बारे में उठाई गई चिंताओं का समाधान करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया के प्रति शहरी उदासीनता के मुद्दे को भी संबोधित करना चाहिए।

निर्वाचन आयोग ने रिमोट वोटिंग मशीन के प्रदर्शन के लिए आठ राष्ट्रीय दलों और राज्यों के मान्यता प्राप्त 57 दलों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया था।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा विकसित आरवीएम किसी भी तरह से इंटरनेट से नहीं जुड़ी होगी।

पिछले महीने निर्वाचन आयोग ने कहा था कि अगर यह पहल लागू की जाती है, तो प्रवासियों के लिए इससे सामाजिक परिवर्तन हो सकता है। प्रत्येक मशीन के जरिये 72 निर्वाचन क्षेत्रों में रह रहे प्रवासी मतदाता दूरस्थ मतदान केंद्र से अपना वोट डाल सकेंगे।

आरवीएम के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए कानून में आवश्यक बदलाव जैसे मुद्दों पर जनवरी के अंत तक राजनीतिक दलों को अपने विचार लिखित रूप में देने के लिए भी कहा गया था।

रविवार को, अधिकतर विपक्षी दलों के नेताओं ने कांग्रेस द्वारा आयोजित एक बैठक के बाद आरवीएम पर निर्वाचन आयोग के प्रस्ताव का विरोध करने का फैसला किया।

इस बैठक में जनता दल (यूनाइटेड), शिवसेना, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), नेशनल कॉन्फ्रेंस, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), विदुथलाई चिरुथईगल काची (वीसीके), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के नेताओं के साथ साथ राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल ने भी हिस्सा लिया था।

पीएम मोदी ने अग्निवीर के पहले बैच को किया संबोधित

राजेश अलख

नई दिल्ली, 16 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि अग्निपथ योजना मील का पत्थर साबित होगी और यह सशस्त्र बलों को मजबूत करने तथा भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए उन्हें तैयार करने में एक गेम चेंजर साबित होगी।

प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं में भर्ती की अल्पकालिक योजना अग्निपथ के पहले बैच के अग्निवीरों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद के दौरान यह बात कही।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से (पीएमओ) जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने यह भी कहा कि युवा अग्निवीर सशस्त्र बलों को अधिक युवा और टेक सेवी (आधुनिक तकनीक व प्रौद्योगिकी के जानकार) बनाएंगे।

अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भावना सशस्त्र बलों की बहादुरी को दर्शाती है, जिसने हमेशा राष्ट्र के झंडे को ऊंचा रखा है।

उन्होंने कहा, इस अवसर के माध्यम से वे जो अनुभव प्राप्त करेंगे, वह जीवन के लिए गर्व का स्रोत होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया

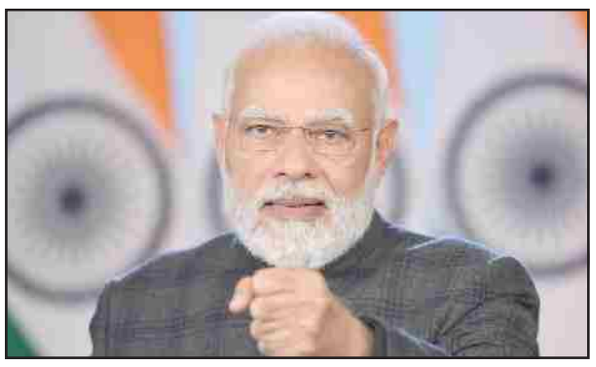

भारत नए जोश से भरा हुआ है और सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास चल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी में युद्ध लड़ने के बदलते तरीकों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने इस संवाद के दौरान संपर्क रहित युद्ध के नए मोर्चों और साइबर युद्ध की चुनौतियों पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा, तकनीकी रूप से उन्नत सैनिक हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। युवाओं की वर्तमान पीढ़ी में विशेष रूप से यह क्षमता है। इसलिए अग्निवीर आने वाले समय में हमारे सशस्त्र बलों में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि यह योजना महिलाओं को और सशक्त बनाएगी।

उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि कैसे महिला अग्निवीर नौसेना का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा, वह तीनों बलों में महिला अग्निवीरों को देखने के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने सियाचिन में तैनात महिला सैनिक और आधुनिक लड़ाकू विमान उड़ाने वाली महिलाओं का उदाहरण देते हुए अग्निवीरों को बताया कि कैसे महिलाएं विभिन्न मोर्चों पर सशस्त्र बलों का नेतृत्व कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती मिलने से अग्निवीरों को विविध अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और इस दौरान उन्हें विभिन्न ओं और विभिन्न संस्कृतियों और जीवन जीने के तरीकों के बारे में सीखने की कोशिश करनी चाहिए।

डबल इंजन ने गरीबों के अरमानों को कुचला : खड़गे

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि प्रतिदिन 115 लोग आत्महत्याएं कर रहे हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, गुजरात में हर दिन 9 दिहाड़ी मजदूर आत्महत्या करते हैं, भारत में हर दिन 115 दिहाड़ी मजदूर आत्महत्या करते हैं। आपके 'डबल इंजन' ने अपने घातक पहियों के नीचे गरीबों की आकांक्षाओं को कुचल दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने इससे पहले सरकार पर हमला बोलते हुए कहा था कि 'किसी प्रधानमंत्री, किसी गृह मंत्री ने झूठ नहीं बोला, ये झूठ बोल रहे हैं। कभी कहते हैं कि 2 करोड़ नौकरियां देंगे, तो कभी कहते हैं एक-एक खाते में 15 लाख रुपये देंगे, लेकिन सब झूठ है।'

'प्रतिदिन 115 लोग आत्महत्याएं कर रहे'

कांग्रेस पार्टी ने कई सरकारें बनाईं लेकिन भाजपा ने विधायकों को लालच देकर अपनी सरकार बना ली और यह लोकतंत्र की रक्षा की बात करते हैं। भाजपा का मुख्य उद्देश्य नफरत और विभाजन पैदा करना है, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा इन तत्वों से लड़ रही है और विजयी होगी।

हाल ही में हरियाणा के पानीपत में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि युवाओं के लिए कोई नौकरी नहीं होने से हरियाणा बेरोजगारी में चैंपियन बन गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि पहले एक सैनिक 15 साल तक देश की सेवा करता था, लेकिन अब पांच साल बाद वह बेरोजगार हो जाएगा।

2023 बेहद महत्वपूर्ण, 9 राज्यों में चुनाव लड़ना और जीतना है : नड्डा

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले 2023 में नौ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के महत्व को रेखांकित करते हुए सोमवार को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी से इन सभी चुनावों में जीत दर्ज करने के लिये कमर कसने का आह्वान किया।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते अपने अध्यक्षीय भाषण में नड्डा ने यह बात कही। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने नड्डा के भाषण की जानकारी यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मीडिया से साझा की। उनके मुताबिक, नड्डा ने कहा, साल 2023 हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और हमें नौ प्रदेशों में चुनाव लड़ना है।''

प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूरी कार्यकारिणी से आह्वान किया, चुनाव के लिए कमर कस लें, हमें सभी नौ राज्यों में जीत दर्ज करनी है।'' उल्लेखनीय है कि केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी अपने संगठन को मजबूत करने के लिए पिछले कुछ समय से कई सारी कवायदें कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह 2024 में केंद्र में तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में वापस आए। यहां स्थित नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के कन्वेंशन सेंटर में नड्डा ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत की प्रगति की सराहना की।

पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, मोबाइल फोन की दूसरी सबसे बड़ी निर्माता, ऑटोमोबाइल क्षेत्र में तीसरी सबसे बड़ी निर्माता बन गई है। उन्होंने कहा कि पहले जहां हर दिन 12 किलोमीटर राजमार्ग बनाया जाता था, वहीं आज यह बढ़कर 37 किलोमीटर हो गया है। उन्होंने कहा कि देश ने मुफ्त अनाज सहित कई कल्याणकारी योजनाओं के साथ गरीबों को सशक्त बनाने के लिए भी काम किया है।

नड्डा ने हालिया गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को 'असाधारण और ऐतिहासिक' बताते हुए इसकी प्रशंसा की और कहा कि 182 सदस्यीय विधानसभा में 150 से अधिक सीट जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पार्टी हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस से हार गई, लेकिन दोनों दलों के बीच मतों का अंतर एक प्रतिशत से भी कम रहा।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद मार्ग स्थित पटेल चौक से लेकर नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) के कन्वेंशन सेंटर तक रोड शो किया। भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगी। करीब एक किलोमीटर तक के इस रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सड़क के दोनों ओर मौजूद थे। सड़क पर जगह-जगह

भाजपा के झंडे, पोस्टर और बैनर लगाए गए थे।

कई स्थानों पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष नड्डा के कटआउट भी लगे थे। सड़क के दोनों ओर अलग-अलग मंच बने हुए थे, जिन पर कलाकार भारतीय संस्कृति की झलक दिखाते हुए नृत्य व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। कुछ स्थानों पर ढोल और नगाड़ों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया गया। लोगों ने फूल भी बरसाए। कार्यकारिणी स्थल पहुंचने पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR GANGA MORNING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:112 DrawDate on:16/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 63A 36477
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 36477 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
36250 40520 43867 60342 67946 69713 88098 90012 91188 95442
3rd Prize ₹450/-
2390 2449 2785 3783 5573 6187 7970 8132 8818 9894
4th Prize ₹250/-
1111 1187 1278 3040 4222 6710 8052 8182 8830 9897
5th Prize ₹120/-
0037 0084 0191 0241 0527 0681 0787 1071 1093 1260
1281 1362 1382 1566 1630 1631 1691 1865 1896 1905
2228 2278 2375 2437 2442 2629 2664 2672 2683 3100
3348 3557 3631 4256 4414 4448 4548 4730 4850 4990
4999 5120 5252 5303 5310 5331 5337 5444 5495 5535
5625 5710 5737 5805 5806 5970 6132 6142 6156 6360
6540 6712 6820 6981 7245 7315 7339 7366 7521 7525
7551 7764 7872 7881 7894 8005 8008 8156 8248 8302
8408 8444 8600 8649 8702 8855 9109 9181 9208 9211
9284 9350 9433 9454 9473 9520 9615 9623 9803 9937
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SUN MONDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:112 DrawDate on:16/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 90E 67868
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 67868 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08326 20654 30248 39902 58134 61548 62050 72317 84713 92206
3rd Prize ₹450/-
0194 0467 2293 2641 2928 6007 7223 7887 8293 8747
4th Prize ₹250/-
0990 2030 3861 4214 4647 4667 5395 6604 6617 8947
5th Prize ₹120/-
0025 0146 0453 0575 0593 0674 0966 0994 1007 1101
1188 1604 1816 2085 2118 2144 2160 2243 2270 2289
2296 2616 2652 2718 2932 3061 3070 3077 3156 3176
3212 3300 3327 3487 3724 3738 3775 4004 4032 4187
4245 4341 4657 4824 4831 4843 4964 4995 5220 5290
5320 5481 5514 5588 5633 5734 5934 5963 6003 6012
6140 6321 6340 6344 6565 6740 6751 6773 7254 7304
7320 7368 7619 7645 7826 7840 7922 8077 8104 8151
8220 8286 8414 8650 8656 8708 8864 8963 9061 9066
9221 9475 9477 9518 9608 9697 9698 9760 9912 9975
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FLAMINGO EVENING
MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:212 DrawDate on:16/01/23
1st Prize ₹1 Crore/- 86E 81790
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 81790 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
16918 19989 23925 29749 31366 46376 63450 81144 86521 97962
3rd Prize ₹450/-
0902 2626 2736 3842 4393 5672 8130 9076 9493 9540
4th Prize ₹250/-
2980 3669 4153 5060 6648 7682 8118 9037 9600 9610
5th Prize ₹120/-
0149 0157 0197 0219 0448 0533 0633 0669 0770 0772
0945 1121 1193 1276 1279 1593 1614 1649 1687 2311
2383 2425 2478 2530 2561 2634 2641 2642 2900 3107
3141 3309 3326 3501 3550 3613 3745 3756 3955 4184
4188 4413 4429 4531 4722 4774 4940 5317 5423 5467
5482 5661 5676 5766 5980 6070 6148 6201 6227 6335
6365 6422 6460 6488 6498 6515 6536 6570 6777 6894
6909 6991 7007 7070 7140 7333 7349 7475 7667 7674
7707 7829 7852 8072 8223 8266 8348 8385 8415 8465
8498 8510 8792 8852 9039 9279 9477 9602 9886 9925
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

नफरत के विरुद्ध

लेकिन आम जनता और सत्ता के बीच कड़ी के रूप में काम करने वाले समाचार माध्यमों में टेलीविजन चैनलों का प्रभाव जैसे-जैसे बढ़ा है, वैसे-वैसे इस जिम्मेदारी को लेकर कोताही बढ़ी है। आज हालत यह है कि टीवी चैनलों पर खबरों के प्रस्तुतिकरण और उनके प्रस्तुतकर्ताओं की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। इन दृश्य माध्यमों के मंचों पर पत्रकारिता के बुनियादी मूल्यों और जिम्मेदारियों की अनदेखी करके नफरत केंद्रित विचारों को जिस तरह जगह मिल रही है, वह चिंताजनक है। गौरतलब है कि नफरत भरे बयान के एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टीवी चैनलों के काम करने के तरीकों लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि घृणा भाषण एक खतरा बन गया है, उसे रोकना होगा। अदालत ने कई स्पष्ट टिप्पणियां कीं जो एक तरह से दृश्य माध्यमों के प्रभाव के मद्देनजर उसकी भूमिका को कठघरे में करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ लहजे में कहा कि आजकल टीवी चैनल प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं; अगर कोई टीवी समाचार एंकर नफरत फैलाने वाले भाषण के प्रचार की समस्या का हिस्सा बनता है तो उसे क्यों नहीं हटाया जा सकता। अदालत ने इस ओर भी ध्यान दिलाया कि प्रिंट मीडिया के विपरीत समाचार चैनलों के लिए कोई भारतीय प्रेस परिषद नहीं है। सवाल है कि आखिर यह स्थिति क्यों आई कि इस मसले पर देश की शीर्ष अदालत को फिक्र जाहिर करने की जरूरत पड़ रही है। अदालत की पीठ ने यह भी कहा कि अगर नफरत फैलाने में जिम्मेदार समाचारों के प्रस्तुतकर्ता या एंकर या उनके प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाती है तब सभी लाइन में आ जाएंगे। इसके अलावा, दिल्ली में आयोजित हुए धर्म संसद में भड़काऊ भाषण के मामले में भी शीर्ष अदालत की एक अन्य पीठ ने दिल्ली पुलिस से सख्त सवाल पूछे कि अब तक जांच कहां पहुंची और कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया। सौहार्द को बाधित करने वाले नफरती या भड़काऊ भाषणों को लेकर अदालत की चिंता समझी जा सकती है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अहम पहलू है। लेकिन अगर किसी बयान को सनसनी बना कर पेश करने से समाज और देश में सौहार्द के उलट नफरत का माहौल बनता है तो ऐसी अभिव्यक्ति की कीमत क्या होगी! यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से टीवी चैनलों पर होने वाली बहसें किसी मुद्दे को स्पष्ट करने और हल की राह निकालने के बजाय महज सनसनी फैलाने और संकीर्ण आग्रहों के आधार पर ध्रुवीकरण करने का वाहक बनती गई हैं। विडंबना यह है कि ऐसे कार्यक्रमों के लिए किसी संचालक या संबंधित टीवी चैनल के प्रबंधकों की जिम्मेदारी नहीं तय की जाती।

दूसरी ओर, अखबार या पत्रिका जैसे प्रिंट माध्यमों में समाचार या किसी भी सामग्री की प्रस्तुति पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें रोकने के लिए बाकायदा भारतीय प्रेस परिषद जैसी संस्था है। दरअसल, प्रिंट माध्यमों में आज भी जिस तरह की जवाबदेही की भावना मौजूद है, वह टीवी चैनलों में कम देखी जाती है। जबकि दृश्य माध्यमों में किसी खबर या बहस की प्रस्तुति के प्रभाव की तीव्रता ज्यादा होती है। अफसोस की बात है कि समय के साथ शक्तिशाली होते टीवी चैनलों में प्रभाव डालने की क्षमता के समांतर अपेक्षित गंभीरता और संवेदनशीलता की कमी होती गई है। इसलिए इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा है, उसे आईना मान कर सुधार पर गौर करने की जरूरत है।

चीन से सावधानी की जरूरत

रघु ठाकुर

चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद और कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्ट रूप से चीन की भूमिका है, जबकि ओली और प्रचंड एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे।

भारत-चीन की सीमा पर पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ रहा है और खासौतर पर तवांग की घटना के बाद कुछ ज्यादा ही। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय सेना के जवानों ने तवांग में चीनी घुसपैठ के प्रवास को साहसपूर्वक न केवल विफल कर दिया, बल्कि अपने शक्ति शौर्य का जबरदस्त प्रदर्शन भी किया। इससे भारतीय सेना का आम जन में गौरव बढ़ा है और देशवासियों में आत्मविश्वास का संचार भी हुआ है।

फिर भी अभी राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टिकोण से कुछ चिंताएं आमजन के मस्तिष्क में हैं। खबरें आएं कि चीनी सैनिक निरंतर घुसपैठ करने के प्रयास में लगे हुए है। पिछले वर्ष भारत की सीमा में जो सैनिक घुस आए थे और जिन्होंने लगभग दो से ढाई सौ वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था, वहां से चीनी सैनिकों को भारत अभी तक हटा नहीं सका है।

चीनी और भारतीय सैनिक अधिकारियों के बीच निरंतर बैठकें हुई हैं, उनमें यह समझौता भी हुआ कि भविष्य में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर अगर कोई मतभेद या विवाद होता है तो किसी भी पक्ष से आग्नेयास्त्रों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। यानी केवल शारीरिक बल से एक दूसरे को रोकने का प्रयास किया जाएगा। यह समझौता युद्ध रोकने के दृष्टिकोण से तो उपयोगी हो सकता है, पर भारतीय सीमाओं के या पुरानी कब्जाई हुई जमीन वापस लेने के दृष्टिकोण से उपयोगी नहीं है।

वर्ष 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया था और भारत की हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था जो कि अभी भी चीन के कब्जे में है और वह जमीन वापस नहीं ली जा सकी। लगभग तेईस वर्षों तक चीन और भारत के बीच रिश्ते कूटनीतिक सहित टूटे रहे। हालांकि चीन व भारत ने अपने-अपने दूतावास बंद नहीं किए थे। पर संबंधों में एक तीखा अवरोध पैदा हो गया था। यह सत्य है कि वर्ष 1978 में लगभग सोलह वर्षों के बाद पहली बार भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी चीन गए थे।

हालांकि तब भी चीन ने भारत सरकार को अपने मंसूबे स्पष्ट कर दिए थे। तब चीन ने वियतनाम पर हमला बोल दिया, जिसकी प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तीखी हुई। उसके आठ वर्ष बाद 1985-86 में चीन की यात्रा करने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी थे। संभव है कि अमेरिका की चीन के प्रति बदलती हुई नीति ने इन दौरों को प्रोत्साहित किया हो! दरअसल, अमेरिका अपनी विदेश नीति को दशकों पूर्व तय करता है और उस दिशा में दुनिया का दिमाग बनाता है।

सन 1991 में दिवंगत नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद और अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद के दस्तावेज विश्व व्यापार संगठन के समझौते के बाद भारत ने अपनी विदेश नीति को लगभग उल्टा खड़ा कर दिया।

भारत ने 1991 के बाद लुक टू द ईस्ट विदेश नीति का निर्धारण किया और पश्चिम के बदले मुख्य रूप से चीन, वर्मा, बांग्लादेश, नेपाल और आदि को विदेश नीति का लक्ष्य बनाया। भारत की विदेश नीति का यह परिवर्तन भी एक प्रकार से अमेरिका से प्रभावित था। अमेरिका ने चीन के साथ टूटे हुए व्यापार के बंधनों को फिर शुरू किया और चीन को अपना बाजार खोला।

उधर चीन ने अपना बाजार अमेरिका को खोला। वैश्विक स्तर पर एक नया जुमला शुरू हुआ कि अंतरराष्ट्रीय रिश्ते और विदेश नीति के लिए व्यापार ही मजबूत रास्ता बना सकता है। इसका एक परिणाम यह हुआ कि दुनिया के बाजारों पर चीन ने अपने सस्ते सामान को फैला दिया। चूंकि चीन में एक अर्थ में निरंकुश या तानाशाही शासन है, इसके कारण श्रम की लागत सस्ती रहती है। इसलिए चीन सस्ता सामान बनाने में सफल हुआ और उसके सस्ते सामान ने न केवल अमेरिका के, बल्कि दुनिया के बड़े भू-भाग पर कब्जा जमा लिया।

चीन की आर्थिक संपन्नता ने चीन को अपनी पूंजी और प्रभाव को फैलाने का अवसर दिया। चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद और कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में हाल ही में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्ट रूप से चीन की भूमिका है, जबकि ओली और प्रचंड एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे। चीन की आर्थिक क्षमता इतनी बढ़ी है कि अमेरिका को अमेरिका के भीतर भी वह टक्कर और आर्थिक मदद देने लगा। दुनिया में पैसे और सैन्य शक्ति के आधार पर जो प्रभाव और दबाव पहले अमेरिका का था, काफी हद तक उसे चीन ने अपने प्रभाव में ले लिया।

यूरोप के बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए चीन ने वन बेल्ट वन रोड की योजना शुरू की और चीन से लेकर ईरान तक एक सड़क मार्ग बनाकर अपने बाजार को पहुंचाने की योजना तैयार की। इस योजना पर चीन काफी आगे बढ़ा भी है, पर भारतीय विदेश नीति के निर्माताओं ने इस बाबत कोई ठोस चिंतन नहीं किया और पश्चिम को लगभग उपेक्षित कर दिया। नतीजतन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान तक चीन की घुसपैठ गहरी हो गई। इस व्यापारिक सिद्धांत के तहत भारत ने अपनी राष्ट्रीय सीमाओं की वापसी और सुरक्षा पर ध्यान देना कम कर दिया। भारत के नीति निर्माताओं की सोच थी कि चीन अपने व्यापारिक, आर्थिक हितों के लिए अब आगे घुसपैठ नहीं करेगा।

नब्बे के दशक के पहले से ही भारत-चीन के सीमा विवाद को हल करने के लिए एक सत्ता पोषित बौद्धिक धड़ा कहने लगा था कि भारत चीन के बीच की जो सीमा रेखा अंग्रेजों ने खींची थी, जिसे मैकमोहन लाइन कहा जाता है, वह छोड़ देना चाहिए और जो भूमि जिसके नियंत्रण में है, वहां तक उसके अधिकार को मान लेना चाहिए। यानी भारत की जो लगभग 30-40 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि चीन ने 1962 से कब्जाई है, उसे चीन का मान लेना चाहिए। यह एक प्रकार से समझौते के नाम पर या व्यापार के नाम पर सीधा भारतीय भूमि का समर्पण था।

यहां यह उल्लेखनीय है कि राम मनोहर लोहिया मैकमोहन लाइन को भी अंग्रेजों के द्वारा खींची गई गलत रेखा मानते थे और इसे वास्तविक सीमा नहीं मानते थे। वे कहते थे कि, भारत और चीन के बीच सीमा रेखा मैकमोहन लाइन के आगे तक है, जिसमें संपूर्ण हिमालय और उसके आगे तक की मानसरोवर सहित भारतीय भूमि है। इतिहास में इसके प्रमाण है।

लेकिन भारतीय सत्ताधीशों ने भारत की प्राचीन विभाजन रेखा को तो भुला ही दिया, यहां तक की तीन सौ साल के बाद अंग्रेजों के द्वारा उनकी सुविधा के लिए खींची गई मैकमोहन लाइन को भी भुला दिया और लाइन आफ कंट्रोल के नाम पर भारत की 1962 में कब्जाई जमीन को भी इस जुमले से चीनी स्वीकार करने की मनोस्थिति बनाना शुरू कर दिया। लेकिन चीन की विस्तारवादी और साम्राज्यवादी नीति रुकने वाली नहीं है।

आज बाजार की आर्थिक शक्तियों को मुनाफा कमाना और उनसे जन्मी राजसत्ताओं का उद्देश्य केवल सत्ता पाना है। पिछले दिनों कितना प्रचार किया गया कि भारत सरकार ने कई प्रतिबंध चीन पर लगाए है, उनके ऐप बंद किए हैं आदि।

भारत के व्यापारिक संगठनों ने जोर-शोर से चीनी माल के बहिष्कार के विज्ञापन छपवाए, पर वस्तुस्थिति यह है कि भारत का चीन से आयात बढ़ रहा है और लगभग तीन गुना बढ़ कर साढ़े नौ लाख करोड़ रुपए का हो गया है। मतलब साफ है कि बहिष्कार के नारे केवल धोखे के लिए हैं। देश को सावधान होना चाहिए वरना तिजोरियां भरती जाएंगी, सत्ताधीश बने रहेंगे पर देश की सीमाएं सिकुड़ती जाएंगी।

पर्यावरण बनाम विकास

विनीत नारायण

उत्तराखंड में भगवान श्रीबद्रीविशाल के शरदकालीन पूजा स्थल और आदि शंकराचार्य की तपस्थली ज्योतिर्मठ (जोशीमठ) नगर में विगत महीने से जो बड़ी लंबी-लंबी दरारें आ गई, वे निरंतर गहरी व लंबी होती जा रही हैं।

वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और धार्मिक लोगों के अनुसार, बेतरतीब ढंग से हुए विकास और हर वर्ष बढ़ते पर्यटकों के सैलाब को इसका कारण माना जा सकता है।

जोशीमठ नगर बद्रीनाथ धाम से 45 किमी. पहले ही अलकनंदा नदी के किनारे वाले ऊंचे तेज ढलान वाले पहाड़ पर स्थित है। यहां पर फौजी छावनी और नागरिक मिलाकर 50,000 के लगभग निवासी रहते हैं। साल के छह महीने की गर्मियों के दौरान यह संख्या पर्यटकों के कारण दुगुनी हो जाती है। बद्रीनाथ धाम में दर्शनार्थी तो आते ही हैं, साथ ही विश्व प्रसिद्ध औली जाने वाले पर्यटक भी आते हैं। औली बद्रीनाथ से करीब 50 किमी. दूर है। जोशीमठ से 4 किमी. पैदल चढ़ कर औली पहुंचा जा सकता है। इसलिए औली जाने वाले ज्यादातर पर्यटक भी रात्रि विश्राम जोशीमठ में ही करते हैं। यहां से बद्रीनाथ धाम जाने के लिए 12 किमी. नीचे की ओर विष्णुगंगा और अलकनंदा के मिलन विष्णु प्रयाग तक उतरना पड़ता है, जहां विष्णु प्रयाग जलविद्युत परियोजना (जेपी ग्रुप) का निर्माण कार्य चल रहा है। यहां बिजली बनाने के लिए बड़ी-बड़ी सुरंग कई वर्षों से बनाई जा रही हैं, जिनमें से अधिकांश बन चुकी हैं। जोशीमठ के नीचे दरकने और दरारें आने की मुख्य वजह ये सुरंगें बताई जा रही हैं क्योंकि बारूद से विस्फोट करके ही इन्हें बनाया जाता है। इस कारण पहाड़ में दरारें आना स्वभाविक है।

यह कार्य चार दशकों से पूरे हिमालय विशेषकर गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र में हो रहा है। बिजली बनाने के लिए कई सौ परियोजनाएं यहां चल रही हैं। मैदानों को दी जाने वाली बिजली बनाने के लिए कई दशकों से यहां अंधाधुंध व बेतरतीब ढंग से हिमालय में सुरंगों, सड़कों और पुलों का निर्माण जारी है, जिससे यहां की वन संपदा आधी रह गई है। अयोध्या से जुड़े राम भक्त संदीप जी द्वारा साझी की गई जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड स्थित बद्री, केदार, यमुनोत्री व गंगोत्री धामों के दर्शन करके इसी जन्म में मोक्ष पाने की सस्ती लालसा के पिपासुओं की भीड़ और नवधनाढ्यों की पहाड़ों में मौज मस्ती भी यहां प्राकृतिक संसाधनों पर भारी पड़ी है। इस कारण समूचा गढ़वाल हिमालय क्षेत्र तेजी से नष्ट हो रहा है जबकि यह देवात्मा हिमालय का सर्वाधिक पवित्र क्षेत्र माना जाता है। इसकी भौगोलिक स्थिति का स्कंध पुराण में भी विस्तृत वर्णन मिलता है।

यहां कदम-कदम, मोड़-मोड़ पर प्राचीन ऋषि मुनियों के आश्रम और पौराणिक देवस्थान स्थित हैं। इन्हीं पर्वतों से गंगा व यमुना जैसी असंख्य पवित्र नदियां निकली हैं। ऐसे परम पवित्र पावन रमणीक हरे-भरे प्रदेश का पर्यावरणविद् के सतत विरोध के बावजूद बिजली बनाने और पर्यटन के लिए वर्तमान बीजेपी सरकार सहित सभी पूर्ववर्ती सरकारों ने खूब दोहन किया है। इस कारण केदारनाथ त्रासदी जैसी घटनाएं घटित हो चुकी हैं, और आगे और भी भयावह विनाश की खबरें आएंगी क्योंकि जब देवताओं की निवास स्थली देवभूमि हिमालय मी पर्यटन के नाम पर अंडा, मांस, मदिरा का व्यापक प्रयोग और न जाने कैसे-कैसे अपराध मनुष्य करेगा तो देवता तो रुष्ट होंगे ही। हर वर्ष गर्मियों में उत्तराखंड दर्शन और सैरसपाटे के लिए घुमक्कड़ों की भीड़ इस कदर होती है कि पहाड़ों में गाड़ियों का कई किमी. तक लंबा जाम लग जाता है। पर्यटकों के कारण यहां का पारिस्थितिकी तंत्र चरमरा जाता है। हर शहर और गांव में बढ़ती भीड़ के लिए होटल और गेस्ट हाउसों की बाढ़ आई हुई है। प्रश्न है कि मैदानों की बिजली की मांग तो निरंतर बढ़ती जाएगी तो इसका खमियाजा पहाड़ क्यों भरे? सरकारों को अन्य विकल्प तलाशने होंगे। क्यों न यहां भी बढ़ती भीड़ के लिए कश्मीर घाटी के पवित्र अमरनाथ धाम के दर्शन की ही तरह दर्शनार्थियों को सीमित मात्रा में परमिट देने का सिस्टम विकसित किया जाए?

इस विषय में सबसे खास बात है कि सरकार समूचे हिमालय क्षेत्र के लिए खास दीर्घकालीन योजना बनाई जाए जिसमें देश के जाने-माने पर्यावरणविद्, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के अनुभवों और सलाहों को खास तवज्जो दी जाए। तभी हिमालय का पारिस्थितिकी तंत्र संभलेगा वरना तो केदारनाथ त्रासदी और अभी हाल की जोशीमठ जैसी घटनाएं निरंतर और विकराल रूप में आएंगी ही आएंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर और वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के एमिरेट्स साइंटिस्ट प्रो. धीरज मोहन बैनर्जी के अनुसार, कई साल पहले भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने एक जांच की थी। वह रिपोर्ट भी बोलती है कि यह क्षेत्र कितना अस्थिर है। भले ही सरकार ने वैज्ञानिकों या शिक्षाविद् को गंभीरता से नहीं लिया, कम से कम उसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर तो ध्यान देना ही चाहिए था। इस क्षेत्र में बेतरतीब विकास के नाम पर हो रहे सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगनी चाहिए।

चिंता की बात यह है कि सरकार चाहे यूपीए की हो या एनडीए की वो कभी पर्यावरणवादियों की सलाह को महत्त्व नहीं देती। पर्यावरण के नाम पर मंत्रालय, एनजीटी और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सब कागजी खानापूरी करने के लिए हैं। कॉरपोरेट घरानों के प्रभाव में और उनकी हवस को पूरा करने के लिए सारे नियम और कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। पहाड़ हों, जंगल हों, नदी हों या समुद्र का तटीय प्रदेश, हर ओर विनाश का यह तांडव जारी है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा शुरू किया गया उत्तराखंड के चार धाम को जोड़ने वाली सड़कों का प्रस्तावित चौड़ीकरण भविष्य में इससे भी भयंकर त्रासदी लाएगा। पर क्या कोई सुनेगा? देवताओं के कोप से बचाने वाले खुद देवता ही हैं। वो हमारी साधना से खुश होकर हमें बहुत कुछ देते भी हैं, और कुपित होकर बहुत कुछ ले भी लेते हैं। संदीप जी जैसे भक्तों, प्रोफेसर बनर्जी जैसे वैज्ञानिकों, भौगोलिक विशेषज्ञों और सारे जोशीमठवासियों की पीड़ा हम सबकी पीड़ा है। इसलिए ऐसे संकट में सभी को एकजुट हो कर समस्या का हल निकालना चाहिए।

घरेलू बचत बढ़ना जरूरी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इस समय देश में घरेलू वित्तीय बचत बढ़ाने की जरूरत अनुभव की जा रही है।

एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2023 की शुरुआत में दिखाई दे रहा है कि महंगाई और खर्च बढ़ने से भारतीय परिवारों की वित्तीय बचत घटकर करीब 30 साल के निचले स्तर पर आ गई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में घरेलू वित्तीय बचत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4 प्रतिशत के बराबर दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2021-22 में 7.3 प्रतिशत के स्तर पर थी जबकि वर्ष 2020-21 में 12 प्रतिशत की ऊंचाई पर। धनराशि के आंकड़ों के मद्देनजर अप्रैल-सितम्बर, 2022 में घरेलू वित्तीय बचत 5.2 लाख करोड़ रुपये रह गई जो एक वर्ष पहले की समान छमाही में 17.2 लाख करोड़ थी।

ऐसे में आगामी तिमाहियों में बचत में तेजी नहीं आती है, तो अर्थव्यवस्था में खपत और निवेश, दोनों प्रभावित होते दिखेंगे। अतएव घरेलू वित्तीय बचत को बढ़ाने के लिए छोटी बचत योजनाओं को ब्याज दर के मद्देनजर आकर्षक बनाया जाना जरूरी है। यद्यपि सरकार ने जनवरी से मार्च, 2023 तिमाही के लिए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), डाकघर सावधि जमा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित छोटी जमा राशि पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है, किंतु महंगाई और जीवन निर्वहन के बढ़ते खचरे के मद्देनजर छोटी बचत योजनाओं और अधिक आकर्षक बनाना जरूरी है।

गौरतलब है कि जनवरी, 2023 से एनएससी पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी। वर्तमान में यह 6.8 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना वर्तमान में 7.6 फीसदी के मुकाबले अब 8 फीसदी ब्याज देगी। 1 से 5 साल की अवधि की डाकघर सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में 1.1 फीसदी तक की वृद्धि होगी। मासिक आय योजना में भी 6.7 फीसदी से बढ़कर 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 9 सितम्बर को सरकार ने अक्टूबर से दिसम्बर, 2022 की तीसरी तिमाही में किसान विकास पत्र के ब्याज दर को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया था।

उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर महंगाई की चुनौतियों के बीच देश में आम आदमी के सामने बड़ी चिंता छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहना थी। रूस-यूक्रेन युद्ध जारी रहने, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा 2023 में मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटने की चिंता तथा चीन सहित कई देशों में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नये वेरिएंट की वजह से 2023 में महंगाई बढ़ने की आशंका के बीच इस वर्ष की शुरुआत में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि छोटे निवेशकों के लिए राहतकारी है। स्पष्ट है कि अभी वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था गतिशील है, और कारोबार से कर्ज की मांग तेजी से बढ़ रही है और बैंकों में कर्ज के मुकाबले जमा की रफ्तार धीमी है।

रिजर्व बैंक के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकों की ऋण वृद्धि दर जमा वृद्धि दर की तुलना में डेढ़ गुना से भी अधिक है। ऐसे में तमाम बैंकों में बढ़ते ऋणों की जरूरत के मद्देनजर जमा धन राशि बढ़ाने के लिए सावधि जमा पर ब्याज दरों में वृद्धि की होड़ लग गई है। वस्तुतः देश में बचत की प्रवृत्ति के लाभ आमजन के साथ ही समाज व अर्थव्यवस्था के लिए भी हैं। बचत की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि हमारे यहां विकसित देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा का उपयुक्त ताना-बाना नहीं है। यद्यपि छोटी बचत योजनाओं में ब्याज दर की कमाई का आकर्षण घटने से 2012-13 के बाद सकल घरेलू बचत दर (ग्रास डोमेस्टिक सेविंग रेट) घटती गई है। लेकिन अभी भी छोटी बचत योजनाएं अपनी विशेषताओं के कारण आमजन के विश्वास और निवेश का माध्यम बनी हुई हैं।

गौरतलब है कि 2008 की वैश्विक मंदी का भारत पर कम असर होने का एक कारण भारतीयों की संतोषप्रद घरेलू बचत की स्थिति को भी माना गया था। कोविड-19 से जंग में भारतीयों की घरेलू बचत विसनीय हथियार के रूप में दिखी। नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट (एनएसआई) द्वारा भारत में निवेश की प्रवृत्ति से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों के लिए छोटी बचत योजनाएं लाभप्रद हैं।

उम्मीद करें कि घरेलू वित्तीय बचत बढ़ाने की जरूरत के मद्देनजर वित्त मंत्रालय द्वारा तत्परतापूर्वक छोटी बचत की ब्याज दरों में बदलाव के लिए एक और उपयुक्त समीक्षा करके इस बार ब्याज दर बढ़ने से वंचित रहे पीपीएफ और सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दरों में उपयुक्त वृद्धि की जाएगी। करीब पांच करोड़ कर्मचारियों से संबंधित ईपीएफ पर वर्तमान में दी जा रही और चार दशक की सबसे कम 8.1 फीसदी ब्याज दर में भी वृद्धि की जाएगी। इससे महंगाई की निराशाओं एवं मुश्किलों के बीच छोटी बचत करने वाले करोड़ों लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी। बचत की प्रवृत्ति बढ़ने से छोटी बचत योजनाओं के बढ़े हुए कोष से अर्थव्यवस्था के लिए निवेश भी बढ़ाया जा सकेगा।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखी थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गई भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से नहीं आएगी दुर्गन्ध

अपनाएं ये आसान टिप्स

सर्दियों के मौसम में हवा में नमी होने की वजह तो कई बार गलत तरीके से कपड़ों की सफाई करने से तो कभी गलत तरीके से कपड़े को रखने से बदबू आने लगती है। अगर कपड़े की सफाई से लेकर उसे रख-रखाव पर अच्छे से ध्यान दिया जाए तो किसी भी मौसम में कपड़ों से बदबू नहीं आएगी।

यार, 'आज ही तो इसे अलमारी से निकाला है पहनने के लिए और पता नहीं इस ड्रेस से अजीब किस्म की दुर्गंध आ रही है'। कुछ दिन पहले भी स्वेटर और कोट निकाला था पहनने के लिए उससे भी ठीक ऐसी ही दुर्गन्ध आ रही थी'। शायद, आपने ने भी किसी न किसी से ये शब्द जरूर सुना होगा कि गर्मी के मौसम तो नहीं लेकिन, सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से एक अजीब किस्म की बदबू आती है। ऐसे में अगर अन्य कपड़ों से लेकर सर्दियों के कपड़ों से कुछ अजीब किस्म की बदबू आती है, तो फिर आपको इस लेख को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप किसी भी कपड़े से दुर्गन्ध को आसानी से दूर कर सकती हैं, तो आइए जानते हैं।

गुलाब जल का इस्तेमाल करें

जी हां, सर्दियों में कपड़ों से किसी भी दुर्गन्ध को दूर करने के लिए जुलाब जल एक बेस्ट उपाय हो सकता है। इसके इस्तेमाल से ऊनी पकड़ों से लेकर अन्य कपड़ों से भी दुर्गन्ध आसानी से गायब हो सकती है। इसके लिए फ्रेश कपड़ों पर छिड़काव करने की जरूरत नहीं बल्कि, सफाई के दौरान इस्तेमाल करने की जरूरत है। इसके लिए फॉलो करें आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले दो से तीन लीटर पानी में तीन से चार चम्मच नॉर्मल डिटर्जेंट पाउडर को डालकर एक मिश्रण तैयार कर लीजिए।
- अब आप इस घोल में कपड़े को डालकर कुछ देर बाद अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद तीन से चार लीटर पानी में साफ किए कपड़े को अच्छे से धो लें।
- फिर से एक से दो लीटर पानी में एक से दो चम्मच गुलाब जल को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और इस पानी में साफ किए कपड़े को डालकर कुछ देर ले लिए छोड़ दें।
- लगभग 5 मिनट बाद पानी में से कपड़े को निकालकर अच्छे से पानी को निचोड़ लें और धूप में रख दें।
- ध्यान रहे जब तक कपड़ा एकदम ठीक से सुख न जाए तब तक उसे अलमारी में न रखें।
- इससे कपड़े में से कभी भी बदबू नहीं आएगी। कपड़ा हमेशा सुगंन्धित रहेगा।

ऊनी कपड़ों से ऐसे करें दुर्गन्ध को दूर

सर्दी के मौसम अगर सबसे अधिक किसी कपड़े से अजीब किस्म की बदबू आती है, तो वो है ऊनी के कपड़े। कई बार गलत तरीके से स्टोर करने या फिर नमी वाली जगह रखने पर इससे दुर्गन्ध आने लगती है। कई बार ठीक से सफाई न करने या फिर गलत डिटर्जेंट के इस्तेमाल करने से भी बदबू आने लगती है। ऐसे में ऊनी कपड़ों से किसी भी बदबू को दूर करने के लिए आप लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए फॉलो करें ये आसान स्टेप्स-

- सबसे पहले तीन से चार लीटर पानी में इजी लिक्विड डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- अब इस घोल में स्वेटर और अन्य ऊनी के कपड़ों को डालकर लगभग 10 मिनट के बाद अच्छे से साफ कर लें।
- अब इन कपड़ों को फ्रेश पानी में अच्छे से साफ कर लें।
- इसके बाद दो से तीन लीटर पानी में एक चम्मच लैवेंडर ऑयल अच्छे से मिक्स कर लें और इस मिश्रण में साफ ऊनी के कपड़े डालकर निकाल लें और अच्छे को पानी निचोड़ लें। इसके बाद इसे धूप में अच्छे से सुखने के लिए रख दें। इससे ऊनी कपड़ों से कभी भी दुर्गन्ध नहीं आएगी।

इन टिप्स को भी आप कर सकती हैं फॉलो

सर्दियों के मौसम में कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर करने के लिए आप सिर्फ जुलाब जल या लैवेंडर ऑयल का ही इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं बल्कि, इसके अलावा कई चीजें हैं जिसके इस्तेमाल से आप कपड़ों से दुर्गन्ध को दूर कर सकती हैं। सफाई के दौरान आप एक से दो चम्मच सिरका, चन्दन के तेल के अलावा आप अन्य किसी सेंटेड ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का भी रखें विशेष ध्यान

- सर्दियों के मौसम में किसी भी कपड़े को नमी वाली जगह रखने से बचें।
- ऊनी कपड़े या अन्य कपड़ों को कुछ समय के लिए धूप में जरूर रखें।
- वाशिंग मशीन में कपड़ों को साफ करते समय आप उसमें गुलाब जल, जैस्मिन ऑयल या फिर अन्य सेंटेड ऑयल का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- अलमारी या अन्य जगह रखें कपड़ों पर आप सुगंधित स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं या सुगंधित स्प्रे से कॉटन को अच्छे से भिगोकर अलमारी में भी रख सकती हैं।
- अगर कपड़े में हल्का भी नमी है तो उसे फोल्ड करके अलमारी में न रखें बल्कि उसे हवा के नीचे रखें।
- सर्दियों के मौसम में ऊनी और अन्य कपड़ों को अलग-अलग रखने की कोशिश करें।

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता है तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

अगर ऐसा होगा आपके बच्चे का रूम तो पढ़ाई में होगा सर्वश्रेष्ठ

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत: सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत:
- बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

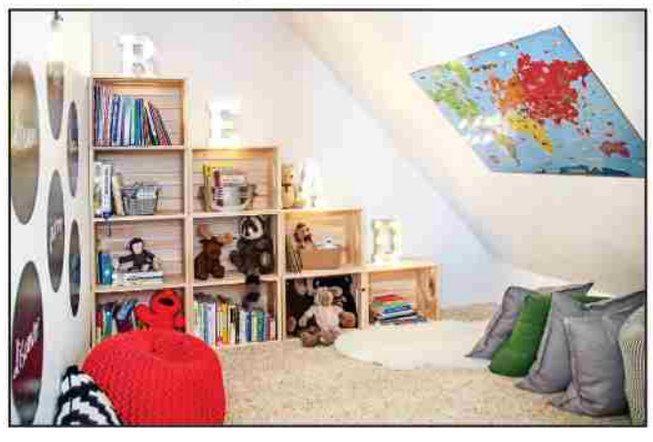

उत्तरी चीन में रासायनिक संयंत्र में विस्फोट, दो की मौत, 12 लापता और 34 घायल

बीजिंग। पूर्वोत्तर चीन में एक रासायनिक संयंत्र में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 12 लापता हो गए। राजधानी बीजिंग के पूर्व में लियाओनिंग प्रांत के पंजिन शहर के बाहरी इलाके में हुए विस्फोट में 34 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय सरकार के समाचार विज्ञप्ति में रासायनिक प्रसंस्करण मशीनरी, पाइप और भंडारण कंटेनरों के परिसर से आग की लपटों और घने काले धुएं की तस्वीरें दिखाई गईं। शहर के उपनगरों में पानशान काउंटी की सरकार ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है और स्थानीय पर्यावरण विभाग क्षेत्र में वायु गुणवत्ता पर प्रभाव की निगरानी कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले लोगों ने कहा कि उन्हें विस्फोट का झटका महसूस हुआ, लेकिन नुकसान संयंत्र से आगे नहीं बढ़ा। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला चीन नियमित रूप से घातक औद्योगिक दुर्घटनाओं का शिकार होता है। उत्तरी बंदरगाह शहर टियांजिन में एक रासायनिक गोदाम में 2015 में हुए विस्फोट के बाद से केंद्र सरकार ने मजबूत सुरक्षा उपायों का वादा किया था। इस दुर्घटना में 173 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकांश अग्निशामक और पुलिस अधिकारी थे। उस मामले में, कई स्थानीय अधिकारियों पर सुरक्षा उल्लंघनों की उपेक्षा करने के लिए रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था।

पाक के बलूचिस्तान में सिलेंडर फटने से 6 लोगों की मौत पूरा घर क्षतिग्रस्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। मीडिया के अनुसार बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए परिवार ने हीटर चालू करने की कोशिश की तभी गैस के रिसाव के कारण विस्फोट हो गया जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार शवों को अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है। पाकिस्तान के डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी क्वेटा सहित बलूचिस्तान के अधिकांश हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है वहीं कुछ इलाकों में पारा शून्य से 10 डिग्री से 15 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर गया है।

पश्चिमी इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके सुनामी की चेतावनी नहीं

जकार्ता। पश्चिमी इंडोनेशिया में सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए इसका केंद्र समुद्र में था। भूकंप से कोई गंभीर क्षति या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई है जिसका केंद्र आचे प्रांत के एक तटीय जिले सिंगकिल से 48 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 48 किलोमीटर की गहराई पर था। लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। इंडोनेशिया की आबादी 27 करोड़ से अधिक है। प्रशांत महासागर में 'रिंग ऑफ फायर पर इसकी स्थिति के कारण यहां भूकंप का खतरा अधिक रहता है। गौरतलब है कि पश्चिम जावा के सियानजुर शहर में 21 नवंबर को आए 5.6 की तीव्रता वाले भूकंप में कम से कम 331 लोग मारे गए थे और करीब 600 लोग घायल हुए थे। इससे पहले सुलावेसी में 2018 में आए भूकंप और सुनामी में करीब 4340 लोग मारे गए थे। वहीं 2004 में हिंद महासागर में एक अत्यंत शक्तिशाली भूकंप के कारण सुनामी आने से एक दर्जन देशों में 230000 से अधिक लोगों की जान गई थी जिनमें अधिकतर लोग इंडोनेशिया के आचे प्रांत के थे।

दक्षिण कोरिया में बर्फ से ढकी सड़क पर करीब 50 वाहन टकराए, एक व्यक्ति की मौत व कई अन्य घायल

सियोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी के पास बर्फ से ढके राजमार्ग पर रविवार रात करीब 50 वाहन आपस में टकरा गए, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। पोचिओन शहर में दमकल विभाग के एक अधिकारी ह्वांग ताए-जियोन ने बताया कि गुरी-पोचिओन राजमार्ग पर कम से कम 47 वाहन सड़क पर फिसलन के कारण एक-दूसरे से टकरा गए। तस्वीरों में पुलिस अधिकारियों और बचावकर्मियों को 'स्ट्रेचर' लिए, मलबे के बीच, सड़क पर भागते हुए देखा जा सकता है। एक यात्री बस सहित कई वाहन आगे और पीछे से क्षतिग्रस्त हो गए। उत्तरी ग्योंगगी प्रांत के दमकल विभाग के अधिकारी किम डोग-वान ने बताया कि एक व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कम से कम तीन वाहन सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं करीब 29 लोगों को मामूली चोटें आई हैं। ह्वांग ने बताया कि जिन घायलों को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं थी, उन्हें बचावकर्मियों ने बसों में उनके घर पहुंचाया। हादसा सियोल के उत्तर में करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पोचिओन जाने वाले एक राजमार्ग के पास हुआ।

तालिबान राज में दहशत, अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुरसल नबीजादा की गोली मारकर हत्या

काबुल। अफगानिस्तान की पूर्व महिला सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके काबुल स्थित आवास पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने कहा कि अज्ञात हमलावरों ने शनिवार को अफगानिस्तान के पूर्व सांसद मुर्सल नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की हत्या को अंजाम दिया। मुर्सल नबीज़ादा उन कुछ महिला सांसदों में से थीं, जो अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्ज़ा करने के बाद काबुल में रुकी थीं। यह पहली बार है जब पिछले प्रशासन के किसी सांसद को अधिग्रहण के बाद से शहर में मार दिया गया है। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोलवी हमीदुल्ला खालिद ने एएफपी के हवाले से कहा कि नबीजादा और उनके गार्ड की शनिवार तड़के करीब तीन बजे उसी कमरे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसने कहा कि उसका भाई और एक दूसरा सुरक्षाकर्मी घायल हो गया। तीसरा सुरक्षाकर्मी रुपये और जेवरात लेकर मौके से फरार हो गया। पूर्व विधायक का उनके घर की पहली मंजिल पर निधन हो गया, जिसे वह अपने कार्यालय के रूप में इस्तेमाल करती थीं। खालिद ने कहा कि जांच चल रही है। उन्होंने संभावित उद्देश्यों के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा, नबीजादा और उनके एक अंगरक्षक की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।' उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक का एक भाई भी हमले में घायल हो गया था, जो शनिवार और रविवार की रात के दौरान हुआ था। पूर्व सांसद मरियम सोलेमानखिल ने ट्विटर पर कहा कि नबीज़ादा अफगानिस्तान के लिए निडर चैंपियन थे।

ग्वाटेमाला में माया सभ्यता से जुड़े एक बड़े रहस्य का खुलासा

ग्वाटेमाला शहर। दुनिया की सबसे रहस्यमय सभ्यताओं में से एक माया सभ्यता कैसे खत्म हो गई इस सीक्रेट का व्यापक शोध के बाद भी अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। अब लैटिन अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में माया सभ्यता से जुड़े एक बड़े रहस्य का खुलासा हुआ है। अब तक माना जाता रहा था कि माया सभ्यता के लोग दूर-दूर बसते थे। अब ग्वाटेमाला के वर्षावनों में 2000 साल पुराने शहर कस्बे और गांवों की बड़ी खोज हुई है। इससे पता चलता है कि माया सभ्यता के लोग ये बहुत ही घनी आबादी में और संगठित समाज में रहते थे।

डोनेस्क से रुसी ठिकानों पर एंटी एयरक्राफ्ट गन से गोले दागते हुए यूक्रेनी सैनिक।

रुसी सैनिकों की पुतिन से गुहार माइनस 25 डिग्री तापमान में जंग लड़ना दूभर हो रहा

मास्को। रूस-युक्रेन युद्ध उस मोड़ पर आ गया है जहां ताकतवार रूस को उसके सैनिकों से ही विद्रोह की धमकी मिल रही है। एक वीडियो जारी कर रूसी सैनिकों ने रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को संदेश दिया है। इस वीडियो में रूसी सैनिकों ने कहा कि वे दुश्मन देश से लड़ने के साथ-साथ कड़ाके की खतरनाक ठंड के जोखिम में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त राशन और व्यवस्था के बिना माइनस 25 डिग्री तापमान में जंग करना दूभर हो रहा है।

रूसी मीडिया के मुताबिक रुसी अधिकारियों ने पुष्टि की हैं कि रूसी सैनिकों के पास राशन और सैन्य हथियारों की कमी हो गई है। जिससे सैनिकों का मनोबल और जंग लड़ने की क्षमता कम हो रही है। खराब मौसम और कम होते राशन की चिंता जाहिर करते हुए सैनिकों ने पुतिन से व्यक्तिगत से बाबत कदम उठाने की मांग की है। वीडियो मैसेज के जरिए रूसी सैनिकों ने कहा यहां अब माइनस 25 डिग्री है। हमें यहां बर्फ में रहना है। इसलिए राशन और हथियार की पूरी व्यवस्था की जाए। रूसी सैनिकों ने अपने बटालियनों की लीडरशिप पर भी सवाल उठाया। सैनिकों ने कहा कि हमारे ऊपर के अधिकारी हमें धमकाते रहते हैं। इसतरह के माहौल में जंग लड़ना काफी मुश्किल होगा। सैनिकों ने पुतिन से गुजारिश की है कि स्थिति को सुधारने की जरूरत है।

पोखरा में 'प्रचंड' मिस्टेक, क्या है एयरपोर्ट का चीनी कनेक्शन, 23 सालों में नेपाल ने देखे 17 विमान हादसे

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के पोखरा में प्लेन क्रैश को लेकर कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं जिनसे हादसे की वजहों तक पहुंचा जा सकता है। जिस वक्त ये हादसा हुआ था उस समय मौसम साफ था। प्लेन की लैंडिंग को लेकर एटीसी और पायलट के बीच कोई कन्फ्यूजन था। जिस तरह आखिरी वक्त में पायलट और एटीसी के बीच बातचीत हुई थी। उसको लेकर हादसे को लेकर कुछ संकेत भी मिल रहे हैं। नेपाल की सिविस एविएशन ऑथरिटी के अनुसार हादसे के लिए मौसम जिम्मेदार नहीं था, क्योंकि रविवार को मौसम साफ था। विमान हादसा खराब मौसम नहीं बल्कि तकनीकि खराबी की वजह से हुआ है। विमान के पायलट ने एटीसी से लैंडिंग के लिए परमीशन भी ले ली थी। पोखरा एटीसी की ओर से लैंडिंग के लिए ओके भी कह दिया गया था। नेपाल की सिविस एविएशन ऑथरिटी का कहना है कि

लैंडिंग से ठीक पहले विमान में आग की लपटें दिखाई दी थी।

चीन की मदद से बना था एयरपोर्ट

नेपाल का एटीआर 72 ट्विन इंजन टर्बो प्रॉप प्लेन हैं। इसे फ्रांस और इटली की कंपनी ने बनाया है। 72 यात्री ले जाने में सक्षम टीआर 72 की अधिकतम स्पीड 309 मील प्रति घंटा है। इसके अलावा सवाल पोखरा एयरपोर्ट को लेकर भी पूछे जा रहे हैं। दरअसल, जिस पोखरा एयरपोर्ट के पास प्लेन लैंडिंग से पहले क्रैश हुआ। उस एयरपोर्ट का निर्माण चीन ने किया है। एयरपोर्ट का उद्घाटन हाल ही में पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। ये महत्वपूर्ण परियोजना चीन की महत्वकांक्षी बेल्ड एंड रोड इनिसिएटिव सहयोग (बीआरआई) का हिस्सा थी।

नेपाल में हाल के दिन में हुए कुछ

प्लेन हादसे

देश में पिछली बड़ी विमान दुर्घटना पिछले साल 29 मई को हुई थी, जब तारा एयर का एक विमान पर्वतीय मुस्तांग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें एक भारतीय परिवार के चार सदस्यों समेत इसमें सवार सभी 22 लोगों की मौत हो गई थी।

2016 में इसी एयरलाइन का एक विमान इसी मार्ग पर उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें सवार सभी 23 लोगों की मौत हो गई थी।

मार्च 2018 में, त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में 51 लोगों की मौत हो गई।

सितंबर 2012 में त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करते समय सीता एयर का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें 19 लोगों की मौत हो गई थी।

पोखरा से जोमसोम उड़ान भरते समय एक विमान 14 मई 2012 को जोमसोम हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमे 15 लोगों की मौत हो गई थी।

विदेश मंत्री जयशंकर के 19 जनवरी को श्रीलंका के दौरे की संभावना, ऋण पुनर्गठन पर होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की आगामी कोलंबो यात्रा के दौरान श्रीलंका भारत के साथ ऋण पुनर्गठन पर वार्ता करेगा। श्रीलंका दशकों के सबसे गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। श्रीलंका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 2.9 अरब डॉलर के 'ब्रिज लोन' को सुरक्षित करने की कोशिश के साथ चीन, जापान और भारत से वित्तीय आश्वासन प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। आईएमएफ बेलआउट पैकेज को रोक दिया गया है क्योंकि श्रीलंका इस सुविधा के लिए वैश्विक ऋणदाता की शर्त को पूरा करने के संबंध में कर्ज देने वाले देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

शनिवार को ट्रेड यूनियन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि उनकी सरकार ने जापान के साथ ऋण पुनर्गठन वार्ता पूरी कर ली है और इस महीने भारत के साथ ऐसी बैठक करेगी। विक्रमसिंघे ने कहा, ''19 जनवरी को, भारत के विदेश मंत्री के दौरे पर आने की उम्मीद है और हम भारत के साथ ऋण पुनर्गठन वार्ता जारी रखेंगे।'' जयशंकर की कोलंबो यात्रा के विवरण की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन उनके श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करने की संभावना है। जरूरत के समय भारत ने पिछले साल कोलंबो को लगभग चार अरब डॉलर की वित्तीय सहायता दी थी।

भारत ने वित्तीय संकट के सामने आने के बाद श्रीलंका को अपने समाप्त हो रहे विदेशी भंडार को बनाए रखने के लिए 90 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की। भारत ने ईंधन खरीद के लिए श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की 'क्रेडिट लाइन' की भी पेशकश की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 'क्रेडिट लाइन' को बाद में बढ़ाकर 70 करोड़ डॉलर कर दिया गया। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा है कि श्रीलंका के पास एकमात्र विकल्प आईएमएफ से बेलआउट पैकेज का है। राष्ट्रपति ने कहा कि वह 3-4 किस्त में आईएमएफ मदद मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने ट्रेड यूनियन नेताओं से कहा, ''मैं इस देश को जल्द से जल्द संकट से बाहर निकालना चाहता हूं।'' श्रीलंका 2022 में अभूतपूर्व वित्तीय संकट की चपेट में आ गया था। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के साथ देश में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई, जिसके कारण राजपक्षे परिवार को सत्ता से हटना पड़ा।

अमेरिका में अब क्या होगा, बाइडेन पर चलेगा केस, जाएगी राष्ट्रपति की कुर्सी?

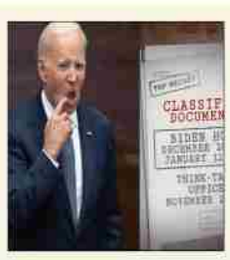

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के घर की तलाशी ली गई है और उनके ऑफिस व घर से ऐसे दस्तावेज बरामद किए गए हैं जो गोपनीय हैं। जिन्हें जो बाइडेन अपने पास रख नहीं सकते थे। लेकिन फिर भी उन्होंने इन दस्तावेजों को अपने पास रखा और इस घटना की वजह से जो बाइडेन की कुर्सी खतरे में आ गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन कानूनी फेर पर फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निजी घर से टॉप सीक्रेट डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। बाइडेन पर आरोप है कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से ये ये दस्तावेज अपने पास रखे।सबसे पहले आपको पूरा मामला समझाते हैं।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूएई के दौरे पर, हथियार समझौते की संभावना

सियोल। (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दौरे पर रविवार को गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यून ने सैन्य साजो-सामान के समझौते के विस्तार की उम्मीद जताई है। यून की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दक्षिण कोरिया ने यूएई के साथ अरबों डॉलर के व्यापारिक करार कर रखे हैं और संयुक्त अरब अमीरात की रक्षा के लिए विशेष बलों के सैनिकों की तैनाती के समझौते को लेकर उसकी आलोचना हो रही है। यून रविवार को अबू धाबी के कसर अल वतन पैलेस पहुंचे। यून का यूएई के नेता शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने स्वागत किया, जिन्होंने पिछले साल मई में पदभार संभाला था। यून और उनकी पत्नी किम केओन के आगमन पर सेना द्वारा उन्हें सलामी गारद पेश किया गया। एक सैन्य बैंड ने दक्षिण कोरियाई और यूएई के राष्ट्रगान बजाए। समारोह के बाद, दक्षिण कोरिया की 'योनहाप' समाचार एजेंसी ने शेख मोहम्मद के हवाले से कहा कि यूएई ने दक्षिण कोरिया में 30 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा, ''हमने कोरिया गणराज्य में विश्वास के साथ निवेश करने का फैसला किया है जो सभी परिस्थितियों में अपने वादे को निभाता है।'' यून की सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के निदेशक किम सुंग-हान ने कहा, ''यह यात्रा हमारे मित्र देश यूएई के साथ परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा, निवेश और रक्षा के चार प्रमुख क्षेत्रों में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगी।'' शनिवार को, 'योनहाप' एजेंसी ने राष्ट्रपति कार्यालय के एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से यह भी कहा कि हथियार समझौते की योजना बनाई गई है। एक अधिकारी ने कहा, ''हथियार उद्योग से जुड़े दक्षिण कोरिया और यूएई के बीच सुरक्षा या सैन्य सहयोग के लिए माहौल काफी समझदारीपूर्ण है।

क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स में फिर आआरआर जलवा राजामौली ने कहा...मेरा भारत महान

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। एस.एस. राजामौली ने 28वें क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत और सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म जीतकर भारत को फिर गौरवान्वित किया है। उन्होंने अपने जीवन में सभी महिलाओं को सम्मान समर्पित किया और अपने स्वीकृति भाषण के दौरान मेरा भारत महान कहा। क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड जीत 80वें गोल्डन ग्लोब्स में सुर्खियां बटोरने के ठीक बाद आई है। उनकी फिल्म आरआरआर सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म थी और इसके ट्रैक नातु नातु ने एक बार फिर सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का सम्मान हासिल किया।

फिल्मकार राजामौली की फिल्म 'आरआरआर ने विश्व मंच पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' (सीसीए) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म और 'नाटु नाटु' के लिए सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार अपने नाम कर लिया है। 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' में 'आरआरआर' सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (राजामौली)

सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म सर्वश्रेष्ठ विजुएल इफेक्ट्स (वी श्रीनिवास मोहन) और सर्वश्रेष्ठ गीत (नाटु नाटु) की श्रेणी में नामित थी।

राजामौली ने इस पुरस्कार को अपनी मातृभूमि भारत और अपने जीवन की हर उस महिलाओं को समर्पित किया जिन्होंने कला क्षेत्र में उनके सफर का हमेशा समर्थन किया।

राजामौली ने पुरस्कार स्वीकार कर कहा मेरी जिंदगी में शामिल सभी महिलाओं...मेरी मां राजनंदनी जिन्हें लगता था कि शिक्षा को जरूरत से अधिक महत्व दिया जाता है और इसलिए उन्होंने मुझे किताबें और कॉमिक्स पढ़ने के लिए कहा। उन्होंने मेरी कला को बढ़ावा दिया। मेरी भाभी श्रीवल्ली जो मेरी मां की तरह हैं.. उन्होंने हमेशा मुझे बेहतरीन करने के लिए प्रेरित किया।'' उन्होंने कहा '' मेरी पत्नी रमा जो मेरी फिल्मों की 'कॉस्ट्यूम डिजाइनर' हैं लेकिन वास्तव में उन्होंने मेरे जीवन को आकार दिया है। अगर वह नहीं होती तो मैं यहां नहीं होता। मेरी बेटियां वे कुछ नहीं करती लेकिन उनकी मुस्कुराहट मेरी जिंदगी में रोशनी बिखरने के लिए काफी है और अंततः मेरी मातृभूमि भारत...मेरा भारत महान। जय हिंद।'' 'क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स' (सीसीए) 2023 की मेजबानी चेल्सी हैंडलर ने की। 23वें सीसीए में सबसे अधिक 14 श्रेणी में नामित 'एवरीथिंग एवरीवेयर ऑल एट वन्स' ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (के हुय क्वान) सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (डेनियल क्वान और डेनियल स्कैनर्ट) और सर्वश्रेष्ठ ओरिज़िनल स्क्रीनप्ले और सर्वश्रेष्ठ एडिटिंग का पुरस्कार अपने नाम किया।

इमरान खान ने कहा कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति जल्द ही शहबाज शरीफ को विश्वास मत का सामना करने के लिए कहेंगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी जल्द ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से विश्वास मत का सामना करने के लिए कहेंगे। खान का यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने देश में मध्यावधि चुनाव के लिए सरकार पर दबाव बनाने के प्रयास तेज कर दिये हैं। खान ने यहां मीडिया से बातचीत और शनिवार को 'हम न्यूज टीवी'के साथ साक्षात्कार में कहा, ''शहबाज शरीफ ने पंजाब में हमारी परीक्षा ली थी और अब यह साबित करने की बारी उनकी है कि उनके पास नेशनल असेंबली में बहुमत है या नहीं।''

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ अध्यक्ष खान ने संघीय गठबंधन में मतभेदों का हवाला देते हुए कहा, ''पहले शहबाज शरीफ विश्वास मत की परीक्षा दें...और बाद में हमारी उनके लिए दूसरी योजना है।'' गौरतलब है कि मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने कराची और हैदराबाद में स्थानीय निकाय चुनावों के मुद्दे पर गठबंधन छोड़ने की धमकी दी है। राष्ट्रपति अल्वी, खान की पीटीआई पार्टी के हैं और संघीय गठबंधन बेहद मामूली बहुमत पर चल रहा है। नेशनल असेंबली में एमक्यूएम-पी के सात सदस्य हैं और अगर वह गठबंधन छोड़ने का फैसला करता है तो शहबाज सरकार बरकरार नहीं रह सकती।

खान देश में मध्यावधि चुनाव कराने पर जोर दे रहे हैं। खान ने कहा कि नए सिरे से चुनाव ही मुल्क को आर्थिक संकट से बाहर निकाल सकता है। बहरहाल, संघीय सरकार का कहना है कि अगस्त में सरकार का कार्यकाल पूरा होने के बाद ही आम चुनाव कराए जाएंगे। इस बीच,पाकिस्तान में पंजाब के राज्यपाल बालीगुर रहमान द्वारा मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही की सलाह पर हस्ताक्षर करने से इनकार किए जाने के 48 घंटे बाद पंजाब विधानसभा संविधान के अनुसार शनिवार शाम भंग हो गई।

इलाही ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की ''इच्छा'' के अनुसार विधानसभा भंग करने की सलाह बृहस्पतिवार को भेजी थी। राज्यपाल ने इस सलाह पर हस्ताक्षर नहीं किए। इसके बाद संविधान के अनुसार राज्यपाल को सलाह भेजे जाने के 48 घंटे बाद विधानसभा भंग हो गई। खान ने कहा कि कुछ दिन में खैबर

पख्तूनख्वा असेंबली भी भंग की जाएगी।

इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नेता नवाज शरीफ ने लंदन से वीडियो लिंक के जरिए शनिवार शाम को लाहौर में पार्टी की एक बैठक की अध्यक्षता की। वह नवंबर 2019 से ही लंदन में हैं। पीएमएल-एन की प्रवक्ता और संघीय सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा, ''नवाज शरीफ ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पंजाब में चुनाव की तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को टिकट वितरित करने के लिए एक संसदीय बोर्ड गठित करने के लिए भी कहा है।

अंडर 19 महिला टी20 विश्वकप

शेफाली श्वेता की धमाकेदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने यूएई को 122 रनों से हराया

विलोमूर पार्क (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में जारी अंडर 19 महिला विश्वकप में भारतीय टीम ने लगातार दूसरा मैच भी जीत लिया। भारतीय टीम ने दूसरे मैच में यूएई को 122 रनों से हराया। वहीं पहले मैच में भारतीय टीम ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराया था।

यूएई के खिलाफ भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 219 बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की टीम 97 रनों पर ही आउट हो गयी। अब तक के दोनो ही मैचों में भारतीय टीम की जीत में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और श्वेता सेहरावत की अहम भूमिका रही है। यूएई के खिलाफ शेफाली ने केवल 34 गेंद पर ही 78 रन बना दिये। शेफाली और श्वेता की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए3 विकेट पर 219 बनाये। शेफाली के अलावा श्वेता सेहरावत ने भी अर्धशतक लगाया। इन दोनो ने पहले मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी। श्वेता ने पहले मैच में भी अर्धशतक लगाया था जबकि शेफाली ने 45 रन बनाये थे।

दूसरे मैच में यूएई के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शेफाली और श्वेता ने टीम को तेज शुरुआत दिलायी। शेफाली ने केवल 26 गेंद पर अर्धशतक लगा दिया। इस दौरान इस बल्लेबाज ने 11 चौके और एक छक्का लगाया। पहले विकेट के लिए शेफाली और श्वेता के बीच 8.3 ओवर में 111 रन की शतकीय साझेदारी हुई। वहीं श्वेता सेहरावत 49 गेंद पर 74 रन बनाकर नाबाद रहीं। श्वेता ने 10 चौके लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 151 का रहा। वहीं ऋचा घोष ने भी 29 गेंद पर 49 रन बनाए।

आस्ट्रेलिया ओपन : पहले दौर में नडाल की संघर्षपूर्ण जीत, पेगुला और गॉ भी जीते

मेलबर्न (एजेंसी)। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन रफेल नडाल को आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में जैक ड्रेपर के खिलाफ जीत दर्ज करने में काफी पसीना बहाना पड़ा जबकि अमेरिका की जेसिका पेगुला, कोको गॉ और डेनियेले कोलिंस भी अपने अपने मैच जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गई। नडाल ने करीब साढे तीन घंटे तक चले मैच में ड्रेपर को 7.5, 2.6, 6.4, 6.1 से हराया।

यह इस साल नडाल की पहली जीत थी। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त पेगुला ने रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन को 6.0, 6.1 से हराया जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त गॉ ने कैटरीना सिनियाकोवा को 6.1, 6.4 से मात दी। पिछले साल उपविजेता रही 13वीं वरीयता प्राप्त कोलिंस ने अन्ना कालिंस्काया को 7.5, 5.7, 6.4 से शिकस्त दी। पेगुला और गॉ का सामना सेमीफाइनल में हो सकता है जबकि कोलिंस चौथे दौर में इगा स्वियातेक से खेल सकती है।

पिछले दोनों साल यहां क्वार्टर फाइनल तक पहुंची पेगुला को जीतने में 59 मिनट ही लगे। वहीं पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल खेलने वाली गॉ का सामना अब पूर्व अमरीकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू से होगा। ब्रिटेन की राडूकानू ने जर्मनी की तमारा कोरपैश को 6.3, 6.2 से मात दी। पूर्व अमरीकी ओपन चैम्पियन बियांका ऑद्रिस्कू भी अगले दौर में पहुंच गई लेकिन 28वीं वरीयता प्राप्त अमांडा एनिसिमोवा को मार्टा कोस्टियुक ने 6.3, 6.4 से परास्त किया। विम्बलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने बाएं घुटने के ऑपरेशन के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया।

वायकॉम 18 ने 951 करोड़ रुपए में खरीदे डब्ल्यूआईपीएल के मीडिया अधिकार

मुम्बई (एजेंसी)। महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूआईपीएल) के मीडिया अधिकार वायकॉम 18 को मिले हैं। वायकॉम को ये अधिकार अगले पांच साल 2023 से 2027 तक लिए मिले हैं। उसके ये मीडिया अधिकार 951 करोड़ रुपए में मिले हैं। बोली में स्टार स्पोर्ट्स सोनी समेत कई कंपनियों ने भाग लिया पर अंत में वायकॉम 18 ने बाजी मार ली।

इससे साफ है कि वायकॉम अगले 5 साल तक प्रति मैच के हिसाब से 7.09 करोड़ रुपए का भुगतान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को करेगा। बीसीसीआई 25 जनवरी को डब्ल्यूआईपीएल की पांच फ्रेंचाइजी का अनावरण करेगा। (डब्ल्यूआईपीएल) के मीडिया अधिकारों की नीलामी में बड़ी रकम मिलना एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने इसी को लेकर कहा महिला आईपीएल मीडिया अधिकारों को जीतने के लिए बधाई। यह महिला क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी बात है।

महिला टी20 चैलेंज को इससे पहले कए प्रदर्शनी टूर्नामेंट के रूप में आयोजित किया गया था पर अब बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट प्रतिभाओं के लिए डब्ल्यूआईपीएल शुरू करने का फैसला किया है। इसके पहला सत्र मार्च में होगा जिसमें पांच टीमें भाग लेंगी और सभी मैच मुम्बई में ही होंगे।

बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर टूर्नामेंट का कार्यक्रम अभी जारी नहीं किया है पर माना जाता है कि पहले सत्र में 22 मैच होंगे। यह 5 मार्च से 23 मार्च के बीच होंगे। इसमें अनकैप्ड क्रिकेटरों को 2 विकल्प दिए गए हैं जबकि कैप्ड खिलाड़ी जिन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया है या वर्तमान में एक केंद्रीय अनुबंध पर हैं। 30 लाख 40 लाख 50 लाख रुपए के आधार मूल्य का चयन कर सकते हैं। डब्ल्यूआईपीएल बीसीसीआई के लिए भी लाभ का सौदा रहा है और उसे मीडिया अधिकारों से ही उम्मीद से ज्यादा बड़ी रकम मिली है।

आस्ट्रेलिया श्रृंखला से पहले फिटनेस साबित करने के लिये रणजी में वापसी को तैयार जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय आल राउंडर रविंद्र जडेजा 24 जनवरी से चेन्नई में तमिलनाडु के खिलाफ शुरू होने वाले सौराष्ट्र के रणजी ट्राफी फाइनल राउंड में वापसी के लिये तैयार हैं। वह घुटने (दायें पैर के) की सर्जरी कराने के लिये पिछले साल सितंबर में एशिया कप से हट गये थे। जडेजा (34 वर्ष) इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में 'रिहैबिलिटेशन' की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और उन्हें नौ फरवरी से नागपुर में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली चार मैचों की श्रृंखला के पहले दो टेस्ट के लिये 17 सदस्यीय टीम में चुना गया है।

हालांकि उनकी उपलब्धता उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी और जडेजा के फिट होने पर फैसला चार दिवसीय रणजी ट्राफी मैच के दौरान ही लिये जाने की संभावना है। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) अध्यक्ष जयदेव शाह ने पीटीआई से कहा, ''अच्छा होगा, अगर वह सौराष्ट्र के लिये खेलता है। शायद वह खेलेगा, लेकिन मुझे इसके बारे में और जानकारी नहीं है।'' जडेजा ने 31 अगस्त को एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। इससे पहले उनका प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में एकमात्र टेस्ट मैच था। रिपोर्ट के अनुसार जडेजा ने इस हफ्ते के शुरू में गेंदबाजी और बल्लेबाजी करना शुरू कर दिया था क्योंकि वह एनसीए में अपना रिहैबिलिटेशन खत्म करने की ओर हैं। इस बायें हाथ के बल्लेबाज को भारतीय लाइन-अप में मध्यक्रम में पांचवें या छठे नंबर पर महत्वपूर्ण खिलाड़ी के तौर पर देखा जा रहा है, विशेषकर ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में। साथ ही उनकी बायें हाथ की स्पिन भी चार मैचों की श्रृंखला में शीर्ष ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन के साथ उपयोगी साबित हो सकती है।

इस श्रृंखला से भारत का विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में फाइनल में लगातार दूसरी बार पहुंचना तय होगा। आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2016-17 श्रृंखला में जडेजा ने अहम भूमिका अदा की थी जिसमें उन्हें 25 विकेट चटकाने और 127 रन बनाने के लिये 'प्लेयर ऑफद सीरीज' चुना गया था जिससे भारत ने वापसी करते हुए 2-1 से यादगार जीत दर्ज की थी। जडेजा ने 2017 से 19 टेस्ट में 82 विकेट चटकाये हैं और बल्ले से 52.82 के औसत से 898 रन बनाये हैं जिसमें दो शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं।

विराट के बल्ले की नीलामी में मिल सकते हैं करोड़ों रुपये

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में ही आक्रामक बल्लेबाजी करने लगे हैं। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में ही उन्होंने दो शतक लगा दिये। इससे एक बार फिर उनके बल्ले पर सवाल उठ रहे है कि वह कितने का बिकेगा। कोहली का बल्ला 20 से 70 हजार रुपये तक का होता है पर नीलामी में इसे करोड़ों की रकम मिल सकती है। वहीं एशिया कप-2022 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने के लिए उनके लिए खास बल्ले बनाए गए थे। एमआरएफ ने उनके लिए गोल्ड विजार्ड बल्ला दिया था जो अंग्रेजी विलो लकड़ी से बनाया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार इस बल्ले की कीमत 22 हजार रुपये थी। कोहली आम तौर पर एमआरएफ ग्रैंड एडीसन का बल्ला इस्तेमाल करते हैं जिस प्रकार से कोहली रन बना रहे हैं। उसको देखते हुए अगर उनके बल्ले की बोली लगाई जाए तो ये बल्ले आसानी से करोड़ों में बिक सकते हैं। सर डॉन ब्रैडमैन के बल्लेबा नीलामी में 1.9 करोड़ रुपये में बिका था। वहीं अगर सचिन तेंदुलकर के बल्ले की नीलामी हुई तो इसके लिए भी करोड़ों की बोली लग सकती है।

भारत से मिली रिकॉर्ड हार की समीक्षा करेगा श्रीलंका क्रिकेट, टीम मैनेजर से रिपोर्ट मांगी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट ने भारत के हाथों तीसरे और आखिरी वनडे में विश्व रिकॉर्ड अंतर से हारने पर टीम मैनेजर से पांच दिन के भीतर रिपोर्ट जमा करने को कहा है। भारत ने श्रीलंका को तिरूवनंतपुरम में तीसरे वनडे में 317 रन से हराकर श्रृंखला 3 . 0 से जीती। शुभमन गिल और विराट कोहली के शतकों की मदद से भारत ने पांच विकेट पर 390 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 22 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई।

श्रीलंका क्रिकेट द्वारा सोमवार को जारी बयान में कहा गया,''श्रीलंका क्रिकेट ने राष्ट्रीय टीम के मैनेजर से भारत के हाथों आखिरी वनडे में मिली भारी हार पर रिपोर्ट देने के लिए कहा है।' इसमें कहा गया,''रिपोर्ट में कप्तान, मुख्य कोच, चयन समिति और टीम मैनेजर की इस हार के बारे में प्रतिक्रिया होगी।' बयान में आगे कहा गया,''श्रीलंका क्रिकेट ने टीम मैनेजर से पांच दिन के भीतर रिपोर्ट देने के लिए कहा है ताकि टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों की समीक्षा की जा सके।'

पिछले साल नवंबर में एक पांच सदस्यीय समिति बनाकर आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के कारणों की पड़ताल करने के लिये कहा गया था। समिति को इस बात के कोई साक्ष्य नहीं मिले कि खराब प्रदर्शन का चयन प्रक्रिया से कोई सरोकार है जो 'बॉर्न अगेन' पंथ से प्रभावित है।

तो सचिन के 100 शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे विराट : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि विराट कोहली जिस प्रकार खेल रहे हैं वैसे ही अगर खेलते रहे तो सचिन तेंदुलकर के 100 शतक का रिकॉर्ड तोड़ देंगे पर इसके लिए उन्हें चालीस साल की उम्र तक खेलना होगा। विराट ने श्रीलंका के खिलाफ तिरुवनंतपुरम में हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में 110 गेंद पर 166 रन की आक्रामक पारी खेलने के साथ ही अपना 46वां एकदिवसीय शतक लगाया। इस प्रकार उन्हें सचिन के 49 शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए चार शतक ही चाहिये। वहीं अगर अंतरराष्ट्रीय प्रारुप की बात करें तो विराट के अब 74 शतक हो गये हैं और उन्हें सचिन के सौ शतक के रिकार्ड को तो तोड़ने के लिए 26 शतक और चाहिये। गावस्कर ने कहा कि विराट अगर 40 साल की उम्र तक खेलते है तो ही सचिन के 100 शतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकते हैं। विराट अभी 34 साल के हो गये हैं और ऐसे में उनके लिए छह साल तक खेलना संभव नजर नहीं आता। इसके साथ ही उन्हें अभी टी20 क्रिकेट में अवसर नहीं मिल पा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी विराट का नाम टीम में नहीं है क्योंकि बीसीसीआई और टीम प्रबंधन टी20 क्रिकेट में युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहता है। ऐसे में विराट के पास केवल टेस्ट और एकदिवीय प्रारुप ही बचा है जिसमें लगातार शतक लगाना किसी के लिए भी संभव नहीं है।

हॉकी विश्व कप 2023: मलेशिया ने वापसी कर चिली को किया पस्त

राउरकेला (एजेंसी)। मलेशिया ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-सी मुकाबले में चिली को 3-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले के पहले हाफ में राजी रहीम (26वां मिनट) ने मलेशिया के लिए एकलौता गोल किया, जबकि जुआन अमोरोसो (20वां मिनट) और मार्टिन रॉड्रिगेज़ (29वां मिनट) ने गोल जमाकर चिली को 2-1 की बढ़त दिला दी थी।

मलेशिया ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए अशरफ हमसानी (41वां) और नूरस्याफिक सुमंत्री (42वां मिनट) के गोलों की बदौलत मुकाबला 3-2 से जीत लिया। मलेशिया दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ पूल-सी में तीसरे स्थान पर आ गया है और उसकी क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। चिली अपने दोनों शुरुआती मुकाबले हारने के कारण क्वार्टरफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है।

टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज - आनंद नें किया उदघाटन चीन के डिंग लीरेन से हारे गुकेश

नीदरलैंड । शतरंज का विम्बलडन कहे जाने वाले टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज के 85वे संस्करण की शुरुआत भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नें टूर्नामेंट की इतिहासिक घंटी को बजा कर किया । इस प्रतियोगिता को पाँच बार जीत चुके आनंद इस बार यहाँ फीडे के उपाध्यक्ष के तौर पर पहुँचे थे । हालांकि भारत के लिहाज से पहला दिन बहुत अच्छा नहीं बीता और प्रतियोगिता के शीर्ष भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश को विश्व नंबर दो खिलाड़ी चीन के डिंग लीरेन से हार का सामना करना पड़ा । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे गुकेश को डिंग के खिलाफ क्वीन्स इंडियन ओपनिंग में 35 चालों में हार स्वीकार करनी पड़ी ।भारत के अर्जुन एरिगासी और आर प्रज्ञानन्दा को पहले राउंड में आपस में ही मुकाबला खेलना था और दोनों के बीच बाजी गुन्फ़ील्ड ओपनिंग में 40 चालों में बराबरी पर समाप्त हुई । उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक ने रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट को हराकर शानदार शुरुआत की । बाकी के मुकाबलों में विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन ने यूएसए के लेवोन अरोनियन से ,यूएसए के फबियानो करूआना ने नीदरलैंड के अनीश गिरि से ,नीदरलैंड के जॉर्डन फॉरेस्ट ने यूएसए के वेसली सो से और ईरान के परहम मघसूदलू ने जर्मनी के विन्सेंट केमर से पहले राउंड मे बाजी ड्रॉ खेली ।

भारत ने इंग्लैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला

राउरकेला (एजेंसी)। भारत ने एफआईएच पुरूष हॉकी विश्व कप में रविवार को इंग्लैंड से गोलरहित ड्रॉ खेला हालांकि टीम क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश की दौड़ में बनी हुई है। खचाखच भरे बिरसा मुंडा स्टेडियम में पूल डी के कांटे के मैच में दोनों टीमें कई मौके मिलने के बावजूद उसे भुना नहीं सकी। इंग्लैंड को मैच में आठ और भारत को चार पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन मेजबान टीम का पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस जबर्दस्त था। अब इंग्लैंड और भारत के दो मैचों में चार चार अंक है और ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में जायेगी। भारत को आखिरी लीग मैच में 19 जनवरी को वेल्स से खेलना है जबकि इंग्लैंड का सामना स्पेन से होगा। दोनों टीमों के अगर समान अंक रहे तो बेहतर गोल औसत वाली टीम अंतिम आठ में जायेगी।

इंग्लैंड का गोल औसत अभी प्लस पांच है जिसने पहले मैच में वेल्स को 5 . 0 से हराया था जबकि भारत ने स्पेन को 2 . 0 से मात दी थी । पहले क्वार्टर में इंग्लैंड का दबदबा रहा जिसे पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत ने जबर्दस्त बचाव किया। भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मनदीप सिंह ने दिलाया लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह उस पर गोल नहीं कर सके । दूसरे क्वार्टर में वालास जाचारी इंग्लैंड को मिले छठे पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर सके। इसके तुरंत बाद इंग्लैंड को सातवां पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे अमित रोहिदास ने रोक दिया।

भारत को तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हरमनप्रीत ने दिलाया और चौथा भी उसके तुरंत बाद मिला । पहले पर हरमनप्रीत चूके तो दूसरे पर वरूण कुमार गोल नहीं कर सके । इंग्लैंड को 37वें मिनट में बढत मिल जाती लेकिन डेविड कोंडोन का शॉट बाहर से निकल गया । इंग्लैंड के सैम वार्ड भी रिवर्स शॉट पर गोल करने के करीब पहुंचे थे जब उनके सामने गोलकीपर पी आर श्रीजेश अकेले थे लेकिन शॉट वाइड चला गया । आखिरी कुछ मिनट तक भारत को दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा जब हार्दिक सिंह चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए । इसके बावजूद इंग्लैंड टीम कोई गोल नहीं कर सकी और आखिरी मिनट में उसे मिला पेनल्टी कॉर्नर बेकार गया । दूसरे पूल मैच में स्पेन ने वेल्स को 5 . 1 से हराया।

खिलाड़ियों में सुरक्षा की भावना के कमी के कारण बड़े टूर्नामेंटों में पिछड़ रहा भारत: उथप्पा

दुबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि राष्ट्रीय टीम में जगह को लेकर खिलाड़ियों में असुरक्षा की भावना बड़े टूर्नामेंटों के अहम मैचों में टीम के लिए घातक साबित हो रही है। भारत ने अपना पिछला विश्व कप 2011(एकदिवसीय) जबकि आईसीसी का अपना आखिरी टूर्नामेंट 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीता था। टीम इसके बाद कई बार एकदिवसीय विश्व कप और टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उथप्पा इन दिनों इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स को अपनी सेवाएं दे रहे है। उथप्पा ने पीटीआई-को दिये साक्षात्कार में कहा , '' मुझे लगता है कि खिलाड़ियों में टीम में अपनी जगह को लेकर सुरक्षा की भावना की कमी है। पिछले काफी समय से टीम में लगातार बदलाव हो रहे है।

जब एक खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं करता तो वह हमेशा अपनी जगह बचाने की मानसिकता के साथ रहता है। इसके उलट जब वह जगह को लेकर आश्वस्त रहता है तो अपने प्रदर्शन पर बेहतर तरीके से ध्यान दे सकता है।'' भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम (2007) का हिस्सा रहे उथप्पा ने आईपीएल का उदाहरण देते हुए कहा, ''आप आईपीएल को ही देख लीजिये, ज्यादातर बार ऐसी टीमों ने खिताब जीते है जिसने अंतिम एकादश में कम बदलाव किये है। चेन्नई (सुपर किंग्स) और मुंबई (इंडियन्स) की सफलता भी इस बात पर मुहर लगाते है।'' आईपीएल खिताब को जीतने वाली टीमों का तीन बार हिस्सा रहे उथप्पा ने कहा, '' मुझे लगता है कि खिलाड़ियों में सुरक्षा की भावना देना जरूरी है।

पिछले कुछ समय से भारतीय टीम में जो हो रहा उससे खिलाड़ी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे और अहम मौकों पर उनका प्रदर्शन उभर कर नहीं आता। '' भारत लिए 46 एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले उथप्पा ने अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अगले मैच में खिलाड़ियों को टीम से बाहर करने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, '' बांग्लादेश टेस्ट श्रृंखला में मैन ऑफ द मैच लेने के बाद कुलदीप को टीम से बाहर करने से बड़े स्तर पर एक अच्छा संदेश गया है। आप कुलदीप को एक बार समझा सकते है लेकिन टीम को क्या संदेश जाता है? इससे युवा खिलाड़ियों में एक गलत संदेश जाता है कि मैन ऑफ द मैच लेने के बाद भी टीम में आपकी जगह पक्की नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''टीम में अंदर क्या हो रहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है लेकिन बाहर से मुझे ऐसा ही लगता है। यह जरूर है कि हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है लेकिन टीम में जगह को लेकर उन्हें भरोसा होना चाहिये।'' विदेशी लीग में खेलने के लिए उथप्पा को भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेना पड़ा लेकिन उन्हें इसका कोई मलाल नहीं है। उन्होंने कहा, '' मैं छह महीने में पहली बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने को लेकर रोमांचित हूं। यह अच्छा टूर्नामेंट है, दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी यहां खेल रहे है।'' उन्होंने कहा, ''यह (विदेशी लीग में खेलने के लिए भारतीय क्रिकेट से संन्यास) तो बीसीसीआई का नियम है , नियम हम नहीं बनाते लेकिन हमें पालन करना होता है।

हेल्स की आक्रामक पारी, डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 7 विकेट से हराया

दुबई । इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स की 52 गेंद में नाबाद 83 रन की ताबड़तोड़ पारी और हमवतन सैम बिलिंग्स (38 गेंद में 49 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 14 ओवर में 128 रन की साझेदारी के बूते डेजर्ट वाइपर्स ने इंटरनेशनल लीग टी20 के अपने शुरूआती मैच में रविवार रात को यहां शारजाह वॉरियर्स को 20 गेंद बाकी रहते सात विकेट से शिकस्त दी। शारजाह वारियर्स ने यहां दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 145 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स ने महज 16.4 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। शारजाह वारियर्स की दो मैचों में यह दूसरी हार है। मैन ऑफ द मैच हेल्स ने अपनी नाबाद पारी में नौ चौके और तीन छक्के लगाये जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज सैम बिलिंग्स ने एक छक्का और चार चौका जड़ा। पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर शारजाह की टीम अच्छी शुरूआत करने में नाकाम रही। पहले ओवर में शेल्डन कॉटरेल (32 रन पर एक विकेट) की गेंद शारजाह के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (22) के बल्ले का किनारा लेते हुए विकेटकीपर के ऊपर से छक्के के लिए चली गई। इस गेंदबाज ने हालांकि तीसरे ओवर में एविन लुईस को खाता खोले बगैर पवेलियन की राह दिखायी। इसी ओवर गुरबाज ने अपना दूसरा छक्का लगाया लेकिन चौथे ओवर में गस एटकिंसन (29 रन पर एक विकेट) की गेंद को विकेटकीपर के हाथों में खेल गए।

पटेल चौक से एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर तक पीएम का रोड शो, फूलों की बरसात कर नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत

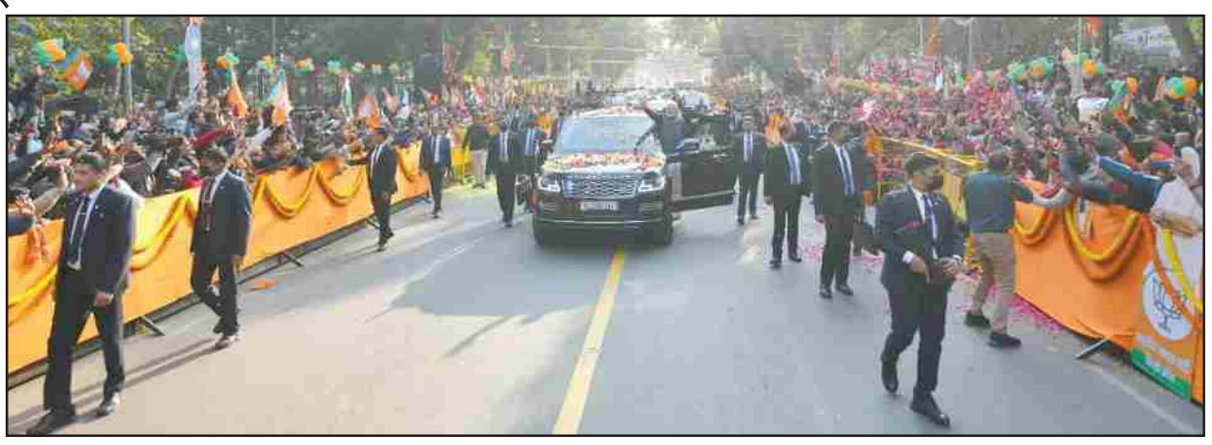

नई दिल्ली, 16 जनवरी (एजेन्सी)। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली में रोड शो किया। पटेल चौक से एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर तक महज एक किलोमीटर का रोड शो प्रधानमंत्री का मेगा शो बन गया। पूरे मार्ग को अलग-अलग तरह की झांकियों से सजाया गया तो प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए ढोल नगाड़े भी बज रहे थे। सड़क के दोनों किनारों से पार्टी नेता व कार्यकर्ता फूलों की बरसात करते रहे तो एक झलक प्रधानमंत्री की देखने के लिए भीड़ में गुत्थमगुत्थी करते दिखे। वहीं प्रधानमंत्री ने भी एक कदम आगे निकलकर अपने वाहन के गेट पर खड़े होकर लोगों को अभिवादन करने के साथ उनका अभिवादन स्वीकारते नजर आए।

रोड शो से पहले पटेल चौक से लेकर कार्यकारिणी की बैठक स्थल तक जश्न का माहौल रहा। प्रदेश भाजपा की तरफ से जगह-जगह होर्डिंग लगाए गए थे, जिस पर भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के लिए दिल्ली आगमन पर प्रधानमंत्री का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन लिखा हुआ था। रोड शो शुरू होने के एक घंटे पहले से ही लोग सड़क के दोनों किनारे प्रधानमंत्री की झलक पाने के लिए ठंड की ठिठुरन में ही खड़े रहे। प्रदेश भाजपा की तरफ से लोगों के पीने के लिए पानी का इंतजाम किया गया था, साथ ही प्रदेश पदाधिकारी खुद खड़े होकर उत्साहवर्धन करते दिखे।

प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए प्रदेश भाजपा की तरफ से भव्य तैयारी की गई थी। प्रधानमंत्री का शो जहां से शुरू हुआ और जहां तक खत्म हुआ उतने समय तक गीत-संगीत के साथ स्वागत किया गया। कई राज्यों के कलाकार स्वागत में खड़े रहे और अपनी-अपनी भाषा में स्वागत गान किया। जगह-जगह उनके लिए मंच तैयार किया गया था। इस स्वागत के लिए पूरे जोश के साथ कार्यकर्ताओं में होड़ दिखी। एक तरह से भाजपा कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ता दिखा। फूलों की पंखुड़ियों से अपने चहेते प्रधानमंत्री का लोगों ने सत्कार किया। होर्डिंग-पोस्टर दिखाकर भी उन्हें अभिवादन और बधाई दी गई।

रोड शो के दौरान कड़ी सुरक्षा रही। सड़क के दोनों किनारों से लोग प्रधानमंत्री को देख तो पा रहे थे लेकिन कड़ी सुरक्षा की वजह से फूलों की पंखुड़ी से दूर से ही स्वागत करने की मजबूरी रही। कई लोग माला भी लेकर पहुंचते थे, लेकिन दूर से ही फूल से स्वागत करते रहे। करीब 3:45 बजे पटेल चौक से शुरू हुआ यह रोड शो शाम 4 बजे एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर के पहले संसद मार्ग जय सिंह रोड जंक्शन पहुंचकर संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री के रोड शो में कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बना। साथ चलने की तो उन्हें इजाजत नहीं थी लेकिन सड़क के दोनों किनारों से जमकर मोदी-मोदी के नारे लगा रहे थे। वहीं दूर से ही सही, लेकिन मोबाइल में इस नजारे को तो कैद कर ही रहे थे, साथ ही सेल्फी लेने की भी होड़ उनमें रही। काफिला जिधर से भी गुजरा नारे से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। रोड शो से पहले पटेल चौक से लेकर कार्यकारिणी की बैठक स्थल तक जश्न का माहौल रहा।

मनरेगा फंड को लेकर ममता ने लगाए केंद्र पर आरोप, बोलीं- बंगाल के साथ हो रहा भेदभाव

कोलकाता, 16 जनवरी (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मनरेगा कोष के वितरण को लेकर राज्य के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने दावा किया कि योजना के तहत केंद्र पर पश्चिम बंगाल का 6,000 करोड़ रुपये का बकाया है। बनर्जी ने कहा, केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को मनरेगा कोष जारी नहीं कर रही है। उस पर हमारा 6,000 करोड़ रुपये बकाया है। हालांकि, भाजपा शासित राज्यों को 100 दिन की कार्य योजना के लिए कोष मिल रहा है।''

मुख्यमंत्री ने मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में कहा, 'मनरेगा कार्यान्वयन में अव्वल होने के बावजूद पश्चिम बंगाल को इस तरह के भेदभाव का सामना क्यों करना पड़ रहा है? हम बिना किसी केंद्रीय सहायता के योजना चला रहे हैं।' विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए केंद्रीय दल के पश्चिम बंगाल के दौरे को लेकर बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्हें राज्य सरकार को 'परेशान करने' के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''भाजपा नेता के घर में जुगनू घुस जाए तो भी केंद्रीय टीम पश्चिम बंगाल भेजी जाती है। किसी घटना को लेकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली या गुजरात ऐसी टीम क्यों नहीं भेजी जाती? केंद्र सरकार छोटी-छोटी बातों पर केंद्रीय टीम भेजकर पश्चिम बंगाल को परेशान कर रही है।'

डियर साप्ताहिक लॉटरी
बीरभूम निवासी ने
₹1 करोड़ जीते

बीरभूम, पश्चिम बंगाल की श्रीमती सोमा सिंह ने 26.11.2022 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 86A 21108 है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है।

''मैं नियमित रुप से अपनी किस्मत आजमाने के लिए केवल कुछ रुपयों के डियर लॉटरी टिकटें खरीद लेती हूं। हमारे इलाके में डियर लॉटरी के द्वारा बनाये गये कई सारे करोड़पति हैं, जिनकी सारी तस्वीरें लॉटरी दुकानों में लगायी गयी हैं। अब हमारी गरीबी दूर हो गयी है।'' विजेता ने कहा।

जन घोषणापत्र के 96 प्रतिशत वादों को किया पूरा : गहलोत

जयपुर, 16 जनवरी (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि हमारी सरकार की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि जन घोषणा पत्र में किए गए वायदों में से 77 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं और 19 प्रतिशत प्रगतिरत हैं। यानि 96 प्रतिशत वायदों को पूरा किया गया है। गहलोत आज यहां हरिशचंद्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान में राज्य सरकार के कामकाज को लेकर आयोजित चिंतन शिविर की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चार साल में जितनी बजट घोषणाएं हुई उतनी पहले कभी नहीं हुई। सीमित संसाधनों, कोविड महामारी सहित अन्य प्रतिकूलताओं के चलते इन घोषणाओं को पूरा करना आसान नहीं था, लेकिन राज्य सरकार ने दिन-रात एक कर जनता से किए वायदों को पूरा किया।

इसी का परिणाम रहा है कि राजस्थान 11.04 प्रतिशत आर्थिक विकास दर हासिल कर पूरे देश में राज्य सकल घरेलू उत्पाद में दूसरे स्थान पर रहा है। प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि देश में सबसे पहले राजस्थान में ओपीएस फिर से लागू कर सरकारी कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई। हाल ही में न्यायपालिका ने हमारी पहल पर मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, उडान योजना और महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 1 करोड़ लोगों को सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन दी जा रही है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान पहला राज्य है जहां पर पेपर लीक करने वालों पर कानून के दायरे में लेकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि पेपरलीक में शामिल अपराधियों.आरोपियों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

चिंतन शिविर में पहले दिन 14 विभागों की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, बजट घोषणाओं, जन घोषणाओं एवं महत्वपूर्ण फैसलों की क्रियान्विति तथा भावी योजनाओं को लेकर गहन चिंतन किया गया। सर्वप्रथम चिकित्सा विभाग की योजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 27 जन घोषणाओं में से 24 पूरी हो चुकी हैं और 3 पर कार्य प्रगतिरत है। साथ ही, 140 बजट घोषणाओं में से 105 पूरी हो चुकी हैं और 35 प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री नि:शुल्क निरोगी राजस्थान योजना सहित अन्य योजनाओं से बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हुई हैं।

स्वास्थ्य सुविधाओं का ढांचा मजबूत होने से विगत वर्षों में प्रदेश में मातृ मृत्यु दर में 28 अंक की गिरावट दर्ज हुई है, जो देश में सर्वाधिक है। शिविर में बताया गया कि राजस्थान में संस्थागत प्रसव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। साथ ही, टीकाकरण कवरेज की दृष्टि से भी राजस्थान भारत के औसत से 4 प्रतिशत आगे है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में करीब 1.38 करोड़ परिवारों का पंजीकरण हो चुका है। इस योजना का ही परिणाम है कि प्रदेश की करीब 90 प्रतिशत आबादी अब स्वास्थ्य बीमाधारक है जबकि राष्ट्रीय औसत मात्र 41 प्रतिशत ही है। चिरंजीवी योजना में अब तक 31.58 लाख मरीजों को लगभग 3625 करोड़ रूपए का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध हुआ है। राजस्थान योजना के तहत राजकीय चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं दवाओं के साथ संपूर्ण उपचार नि:शुल्क मिल रहा है।

योजना पर अनुमानित व्यय करीब 1500 करोड़ रूपए किया जा रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में विगत चार वर्षों में 55337 पदों पर भर्तियां स्वीकृत की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता क्लिनिक राज्य सरकार की अभिनव पहल है। इसके लिए सभी आवश्यकताओं को जल्द पूरा किया जा रहा है। स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि विभाग की 98 बजट घोषणाओं में से 62 पूरी हो चुकी हैं तथा 36 प्रगतिरत हैं। वहीं, 40 जन घोषणाओं में से 31 पूरी हो चुकी हैं एवं 9 प्रगतिरत हैं।

प्रदेश में सरकारी स्कूलों के कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना के तहत सप्ताह में दो दिन दूध का वितरण किया जा रहा है तथा नि:शुल्क पोषाक भी उपलब्ध करवाई जा रही है। विभाग में गत चार वर्षों में 81 हजार 637 विभिन्न पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं और 90 हजार 895 पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। दिसम्बर, 2018 से अब तक 342 नवीन प्राथमिक विद्यालय खोले जा चुके हैं, वहीं 7141 विद्यालयों का क्रमोन्नयन किया गया है।

पंजाब पर दिल्ली से शासन नहीं होना चाहिए : राहुल

होशियारपुर, 16 जनवरी (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से कहा कि वह अपनी पार्टी के नेता और दिल्ली के समकक्ष अरविंद केजरीवाल के दबाव में न आएं, जो 'रिमोट कंट्रोल से राज्य को चला रहे हैं।' पंजाब के इस शहर में अपने सार्वजनिक संबोधन में राहुल ने कहा, 'पंजाब पर दिल्ली से शासन नहीं किया जाना चाहिए, शासन पंजाब से ही किया जाना चाहिए।'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा, 'मैं भगवंत मान से कहना चाहता हूं कि आप पंजाब के मुख्यमंत्री हैं और पंजाब को पंजाब से चलाया जाना चाहिए। भगवंत मान को केजरीवाल के दबाव में नहीं झुकना चाहिए।'

अपना भाषण समाप्त करने के बाद वह इस बात पर जोर देने के लिए फिर से माइक पर आए कि 'जब पंजाब में कांग्रेस की सरकार थी, तो वह इस प्रथा का पालन करती थी कि पंजाब को यहां से चलाया जाना चाहिए।'

राहुल गांधी ने सोमवार को आदमपुर के खरल कलां से भारत जोड़ो यात्रा के शाम के चरण को फिर से शुरू किया। सुबह जालंधर से चलकर आदमपुर होते हुए दिन के अंत में होशियारपुर पहुंचे। जालंधर से मौजूदा लोकसभा सांसद संतोख सिंह चौधरी के शनिवार को निधन के कारण यात्रा को 30 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया।

क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के शाम के चरण में शामिल हुईं।

नवजोत सिंह सिद्धू इस समय पटियाला सेंट्रल जेल में बंद हैं, जहां वह 1988 के एक रोड रेज मामले में एक साल कैद की सजा काट रहे हैं।

राहुल ने पैदल मार्च के पंजाब चरण का अपना अनुभव साझा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट पर लिखा : 'यहां तक कि प्रकृति के उपहारों का पोषण किया जाना चाहिए और उनका लाभ लेने के लिए काम किया जाना चाहिए।'

उन्होंने आगे लिखा : 'यह पंजाब के लोगों की तपस्या है, जिसने इस महान अवसर की भूमि को समय के साथ समृद्धि की भूमि में बदल दिया है।

जैसा कि मैं इस उल्लेखनीय राज्य में चलता हूं, हर दिल, जिससे जुड़ता हूं, उसके पास कहने के लिए एक आम कहानी है, एक कहानी देश के हित में भारत के प्रति सच्चे प्रेम की कहानी सबके सामने रखने का यह अथक प्रयास है।'

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com